दैनिक साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 114 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

कभी भारत के महाराजाओं की बढ़ाई शान, अब इस हीरे की जिनेवा में पहली बार होगी नीलामी, कीमत जान उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली, एजेंसी | इस ऐतिहासिक हीरे को पेरिस के मशहूर डिजाइनर जेएआर ने एक आकर्षक आधुनिक अंगूठी में जड़ा है. 'द गोलकोंडा ब्लू' किसी जमाने में इंदौर और बड़ौदा के महाराजाओं के पास हुआ करता था.

भारत की शाही विरासत का दुर्लभ 'द गोलकोंडा ब्लू' हीरा 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टी के 'मैग्नीफिसेंट ज्वेल्स' नीलामी में पहली बार नीलाम किया जाएगा. 'द गोलकोंडा ब्लू' किसी जमाने में इंदौर और बड़ौदा के महाराजाओं के पास हुआ करता था. इस 23.24 कैरेट के चमकीले नीले हीरे की अनुमानित कीमत 300 से 430 करोड़ रुपये के बीच बताई जा रही है.

इस ऐतिहासिक हीरे को पेरिस के मशहूर डिजाइनर जेएआर ने एक आकर्षक आधुनिक अंगूठी में जड़ा है. एक बयान के मुताबिक, "इस तरह के असाधारण रत्न जीवन में एक बार ही बाजार में आते हैं. क्रिस्टी को अपने 259 वर्ष के इतिहास में दुनिया के सबसे अनूठे आर्चड्यूक जोसेफ, प्रिंसी और विटल्सबैक सहित गोलकोंडा हीरे को लोगों के सामने पेश करने का सम्मान मिला है.'

हल्द्वानी में धामी सरकार ने उठाया बड़ा कदम, अवैध मदरसे हुए सील

देहरादून], एजेंसी | इस दौरान कई मदरसों को सील किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है। ये इंतजाम इसलिए किए गए हैं क्योंकि इलाके में किसी तरह की अशांति ना फैले और कानून व्यवस्था भी बनी रहे।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सख्त निर्देशों का पालन करते हुए राज्य के हल्द्वानी में स्थानीय प्रशासन एक्शन मोड में आया हुआ है। हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में प्रशासन ने अवैध तौर पर संचालित मदरसों के खिलाफ छापेमारी की है।

इस दौरान कई मदरसों को सील किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है। ये इंतजाम इसलिए किए गए हैं क्योंकि इलाके में किसी तरह की अशांति ना फैले और कानून व्यवस्था भी बनी रहे।

मदरसे हुए सील - बता दें कि अपर जिला अधिकारी विवेक राय ने बताया है कि ये कार्रवाई उन मदरसों पर की गई है, जिनके पास मान्यता नहीं है। जिन मदरसों में शइक्षा विभाग व सरकार के नियमों का पालन नहीं हो रहा था उन्हें सील किया गया है। इन मदरसों ने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता संबंधित मानकों का पालन किया है।

प्रशासन को पहले कुछ मदरसों के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिली है। इनमें बच्चों के बैठने की व्यवस्था ना होना, साफ सफाई की कमी, शौचालय ना होना, सीसीटीवी सुरक्षा व्यवस्था ना होगा। कई मदरसों में मस्जिदों में संचालित हो रहे थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. अम्बेडकर से जुड़े सभी स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी

समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के कार्य भूतो न भविष्यति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» डॉ. अम्बेडकर के योगदान से ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 20वीं शताब्दी में ऐसे अनेकों उल्लेखनीय कार्य किए, जिनसे 1000 वर्ष की गुलामी की विसंगतियां दूर हुईं। इन्हीं के आधार पर आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है। डॉ. अम्बेडकर के जीवन के योगदान बहुआयामी हैं, उन्हें भारत में भविष्य की चुनौतियों का आभास हो चुका था, यद्यपि उनका जीवन बहुत कठिनाई के साथ बीता, लेकिन वे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वयं के संघर्ष से सीख ली और अपने जैसे दूसरे लोगों की मदद की। बाबा साहेब ने स्वयं की शिक्षा में कोई कसर नहीं रहने दी, इससे यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर द्वारा समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए किए गए कार्य भूतो न भविष्यति हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहेब ने समूचे समाज को आरक्षण जैसी व्यवस्था प्रदान की। आज अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित हर वर्ग को साक्षरता का लाभ मिल रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग की साक्षरता जो कभी मात्र 1.5 प्रतिशत थी, आज 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भविष्य में जब-जब कठिनाई आएगी, हम सर्वहारा वर्ग के सशक्तिकरण का ध्यान रखेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मजबूत संविधान बनाया और देश को लोकतंत्र दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. अम्बेडकर से जुड़े सभी स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता दी। महू स्थित भीम जन्मभूमि को तीर्थ के रूप में विकसित करने में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा और श्री शिवराज सिंह चौहान का योगदान महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भीम जन्मस्थली महू में धर्मशाला निर्माण के लिए 3.5 तीन एकड़ जमीन दी जा रही है। इससे यहां आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, सभी आगंतुकों की संपूर्ण सुविधा का प्रबंध राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। राज्य सरकार ने सर्वहारा वर्ग और प्रदेश के किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना शुरू की है। अगर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग का कोई व्यक्ति दूध डेयरी खोलेगा, तो उसे हमारी सरकार द्वारा 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से एक दिन पहले ही भीम जन्मस्थली महू को नई ट्रेन की सौगात मिली है।

दुग्ध उत्पादन से किसानों की समृद्धि के खुलेंगे नये द्वार

मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और एनडीडीबी का कॉलैबोरेशन एग्रीमेन्ट प्रदेश सरकार की बड़ी उपलब्धि

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एम.पी. स्टेट को-ओपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में रविवार को हुआ सहकार्यता अनुबंध (कोलैबोरेशन एग्रीमेंट) के निष्पादन से दुग्ध उत्पादन में क्रांति आएगी। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में यह एग्रीमेन्ट प्रदेश सरकार की बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प पत्र-2023 में प्रदेश में दूध की खरीद सुनिश्चित की संख्या बढ़ाई जायेगी। इन सबके परिणाम स्वरूप दुग्ध उत्पादकों की आय में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में रविवार को हुआ सहकार्यता अनुबंध (कोलैबोरेशन एग्रीमेंट) के निष्पादन से दुग्ध उत्पादन में क्रांति आएगी। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में यह एग्रीमेन्ट प्रदेश सरकार की बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार है, जिसे बढ़ाकर 9 हजार किया जाएगा।

करने एवं डेयरी किसानों को दूध की सही कीमत दिलाने में मदद करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर खोले जाने और श्वेत क्रांति मिशन के अंतर्गत 2500 करोड़ के निवेश से प्रत्येक जिले में सांची डेयरी के साथ मिल्क कूलर, मिनी डेयरी प्लांट एवं चिलिंग सेंटर की संख्या में वृद्धि करने का उल्लेख है। इन संकल्पों को पूरा करने में यह अनुबंध महत्वपूर्ण साबित होगा। यह राज्य के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड को मजबूत करेगा।

'मुंबई हमले के आरोपी आतंकी तहव्वुर राणा...', दिग्विजय सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधा

• इंदौर, प्रतिनिधि

इंदौर | दिग्विजय सिंह ने केंद्र सरकार पर कई सवाल खड़े किए हैं. पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा के लिए मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बीजेपी और संघ को जिम्मेदार ठहराया है.

इंदौर पहुंचे मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए केंद्र सरकार पर भी कई सवाल खड़े किए. मुंबई हमले के आरोपी आतंकी तहव्वुर राणा की गिरफ्तारी के बाद दिग्विजय सिंह ने कहा कि बात यह नहीं है कि इसमें श्रेय लेने के लिये होड़ लगने की आवश्यकता नहीं है. ऐसे आतंकवादी के खिलाफ जो हमारे देश पर जिन आतंकवादी ने हमला किया उसमें शामिल रहा वो कोई भी

केंद्र सरकार हो उसको वही कदम उठाना चाहिए जो यूपीए सरकार ने उठाए और अब उठ रहे हैं.

उन्होंने कहा कि अब देरी क्यों हुई देर इसलिए हुई क्योंकि अमेरिका की अदालत ने 14 साल की सजा राणा तहव्वुर को दे दी थी जिसकी वजह से नहीं हो पाया. अब 14 साल हो गए. इसमें किसी को श्रेय लेने या देने की बात नहीं है.

वक्फ बिल के विरोध में पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाते हुए हिंसा के लिए बीजेपी और संघ को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने कहा कि ऐसे कुछ संगठन जो नफरत फैलाते हैं जो दंगे फसाद करवाते हैं. उन्हें क्यों इजाजत दी जाती है. जुलूस के रूप में डीजे लगाकर मस्जिद के सामने से निकलने की. ऐसे संगठन को प्रशासन मंजूरी क्यों देता है. डबल इंजन सरकार की मानसिकता है कि नफरत फैलाकर दंगे करवाकर राजनीतिक रोटी सेंकना. भाजपा और संघ का धर्म से कोई लेना देना नहीं है. नफरत फैलाकर दंगे फसाद करवाकर उसके आधार पर राजनीति रोटी सेंकना बीजेपी और संघ का असली धर्म है.

गरीबों से होने वाली लूट वक्फ कानून के बाद होगी बंद - पीएम मोदी

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक का वायरस फैला रही है। वक्फ कानून पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की देन है जिसे मुसलमान का नुकसान हुआ था। वक्त कानून के नाम पर गरीबों से लूट की गई जो अब नए कानून के जरिए बंद हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के हिसार में एक रैली को संबोधित कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी हिसार एयरपोर्ट का उद्घाटन करने पहुंचे हैं जहां उन्होंने कांग्रेस पार्टी

पर भी निशाना साधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक का वायरस फैला रही है।

वक्फ कानून पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की देन है जिसे मुसलमान का नुकसान हुआ था। वक्त कानून के नाम पर गरीबों से लूट की गई जो अब नए कानून के जरिए बंद हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा है कि कांग्रेस की नीतियों के कारण ही एससी और एसटी समुदाय पर सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

कौन हैं हरियाणा के रामपाल कश्यप, जिन्हें पीएम मोदी ने हरियाणा में पहनाए जूते?

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | नरेंद्र मोदी के समर्पित अनुयायी रामपाल कश्यप ने 2009 में एक प्रतिज्ञा की थी जो उनके जीवन के अगले 14 वर्षों को परिभाषित करेगी। उनका दृढ़ विश्वास था कि एक नेता के रूप में नरेंद्र मोदी ही वह व्यक्ति हैं जो देश का भाग्य बदल सकते हैं। इस दृढ़ विश्वास के साथ, उन्होंने प्रतिज्ञा की कि जब तक मोदी भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन जाते और जब तक वे उनसे व्यक्तिगत रूप से नहीं मिलते, तब तक वे जूते नहीं पहनेंगे।

हरियाणा की धरती पर एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने भावना और आस्था की सभी सीमाओं को पार कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए 14 साल तक नंगे पैर चलने वाले हरियाणा के कैथल निवासी रामपाल कश्यप को आखिरकार अपनी जिंदगी का सबसे यादगार पल मिल ही गया। न सिर्फ उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, बल्कि खुद मोदी ने उनके पैरों में चप्पल पहनाई, जिससे यह एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक पल बन गया। नरेंद्र मोदी के समर्पित अनुयायी रामपाल कश्यप ने 2009 में एक प्रतिज्ञा की थी जो उनके जीवन के अगले 14 वर्षों को परिभाषित करेगी।

अनुसूचित जाति वर्गीकरण लागू करने वाला पहला राज्य बना तेलंगाना, जानें किस समूह को मिलेगा कितना आरक्षण

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना विधानमंडल के निम्नलिखित अधिनियम को 8 अप्रैल 2025 को तेलंगाना के राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और उक्त स्वीकृति को सर्वप्रथम 14 अप्रैल 2025 को तेलंगाना राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है। अनुसूचित जाति के वर्गीकरण पर सरकारी आदेश जारी होने का दिन भारतीय संविधान के निर्माता अंबेडकर की जयंती के साथ मेल खाता है। आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जाति समुदायों को उनकी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक स्थिति के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया है:

देश में पहली बार तेलंगाना

ने अनुसूचित जाति (एससी) वर्गीकरण के कार्यान्वयन पर सोमवार को एक सरकारी आदेश जारी किया, सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की। राज्य सरकार ने पहले एससी वर्गीकरण पर सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति शमीम अख्तर के नेतृत्व में एक आयोग नियुक्त किया था, जिसने सिफारिशें की थीं कि 59 अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कुल 15 प्रतिशत आरक्षण के लिए I, II और III जैसे तीन समूहों में विभाजित किया जाना चाहिए।

आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना विधानमंडल के निम्नलिखित अधिनियम को 8 अप्रैल 2025 को तेलंगाना के राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और उक्त स्वीकृति को सर्वप्रथम 14 अप्रैल 2025 को तेलंगाना राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

अनुसूचित जाति के वर्गीकरण पर सरकारी आदेश जारी होने का दिन भारतीय संविधान के निर्माता अंबेडकर की जयंती के साथ मेल खाता है। आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जाति समुदायों को उनकी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक स्थिति के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया है:

15 आर्थिक और शैक्षिक रूप से वंचित समुदाय वाले समूह I को 1 प्रतिशत आरक्षण आवंटित किया गया है।

18 मध्यम रूप से लाभान्वित समुदाय वाले समूह-II को 9 प्रतिशत कोटा मिलेगा।

26 अपेक्षाकृत समृद्ध अनुसूचित जाति समुदाय वाले समूह-III को 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

मीडिया को संबोधित करते हुए सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि सरकारी आदेश (जीओ) आज पहले ही जारी कर दिया गया था और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सौंप दिया गया था। मंत्री ने कहा कहा कि इस समय से तेलंगाना में रोजगार और शिक्षा दोनों में एससी वर्गीकरण प्रभावी है। हमने जीओ जारी कर दिया है और इसकी पहली प्रति मुख्यमंत्री को सौंप दी है।

बड़े बदलाव के मूड में कांग्रेस, प्रियंका को पार्टी का वाईस प्रेसीडेंट बनाया जा सकता है

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभा रही हैं, भले ही वे वर्तमान में महासचिव के पद पर हैं, लेकिन उनके पास कोई खास संगठनात्मक प्रभार नहीं है। उनके सबसे उल्लेखनीय हालिया योगदानों में से एक गुजरात से शुरू होने वाले जिला अध्यक्षों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक पायलट परियोजना का खाका तैयार करना है।

कांग्रेस द्वारा संगठन में प्रियंका गांधी वाड्रा की भविष्य की भूमिका पर जल्द ही निर्णय लिए जाने की उम्मीद है, क्योंकि पार्टी उपाध्यक्ष के पद पर उनकी संभावित पदोन्नति को लेकर आंतरिक चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभा रही हैं, भले

ही वे वर्तमान में महासचिव के पद पर हैं, लेकिन उनके पास कोई खास संगठनात्मक प्रभार नहीं है। उनके सबसे उल्लेखनीय हालिया योगदानों में से एक गुजरात से शुरू होने वाले जिला अध्यक्षों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक पायलट परियोजना का खाका तैयार करना है। यह परियोजना, जो जिला-स्तरीय नेताओं को अधिक जिम्मेदारी और अधिकार देकर कांग्रेस के जमीनी ढांचे को मजबूत करने का प्रयास करती है, बाद में इसे अन्य राज्यों में भी दोहराया जा सकता है यदि यह गुजरात में सफल हो जाती है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि प्रियंका की औपचारिक भूमिका पर चर्चा के साथ-साथ, कांग्रेस संगठन के भीतर व्यापक कार्यात्मक बदलावों की भी तैयारी कर रही है। आगामी चुनावी चुनौतियों से पहले पार्टी के कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आंतरिक प्रणालियों और परिचालन दक्षता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सूत्रों ने संकेत दिया कि प्रियंका गांधी वाड्रा की पदोन्नति पर अंतिम निर्णय अभी भी लंबित है, लेकिन प्रमुख संगठनात्मक पहलों में उनकी भागीदारी कांग्रेस की भविष्य की दिशा को आकार देने में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित करें

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट मीटिंग हॉल में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके साथ ही सभी शासकीय भवनो पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भी लगवाये जाएं। उन्होंने महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र को निर्देश दिए कि औद्योगिक इकाईयों में भी वर्षा के जल को रोककर भू जलस्तर बढ़ाने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाए जाएं। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सी एम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की भी समीक्षा की, और सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सी एम हेल्पलाइन में अपने-अपने विभाग की रैंकिंग और ग्रेडिंग सुधारें। कलेक्टर श्री सिंह ने महाप्रबंधक विद्युत वितरण कंपनी को निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार लाएं, तथा सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त बिजली मिले, यह सुनिश्चित किया जाए।

नागरिकों को ठण्डा पेयजल उपलब्ध कराने के लिये स्थापित किये जा रहे प्याऊ

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने जिले के सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी शासकीय कार्यालयों में आने वाले नागरिकों की सुविधा के लिये ग्रीष्म ऋतु में शुद्ध पेयजल के लिये प्याऊ की व्यवस्था शुरू कराने के निर्देश दिये हैं। निर्देशों के पालन में जिले के विभिन्न कार्यालयों में नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिये प्याऊ स्थापित किये जा चुके है। अभी तक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र हरदा, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, जिला अस्पताल, उप संचालक कृषि कार्यालय, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग हरदा के छात्रावासों में नागरिकों की सुविधा के लिये शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिये प्याऊ स्थापित किये गये है। इसके अलावा पशु पालन विभाग द्वारा भी पशुओं के लिये जल व्यवस्था की गई है।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उपार्जन केन्द्रों पर पहुंचकर उपार्जन कार्य का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा शुक्रवार को गेहूँ उपार्जन केन्द्र एचजीएस वेयरहाउस सलामतपुर, उपार्जन केन्द्र खोहा, अर्वन लाजिस्टिक बरखेड़ी, बरजोरपुर वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपार्जन कार्य, तौल प्रक्रिया, किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं आदि का अवलोकन किया और किसानों से भी संवाद किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उपस्थित अधिकारियों तथा केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि शासन की नीतिअनुसार एफएक्यू गुणवत्ता का ही गेहूँ उपार्जित किया जाए। उपार्जित गेहूँ को बोरियों में भरकर वेयरहाउस के भीतर सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने किसानों से भी संवाद कर उपार्जन केन्द्र की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को मिला जीवन उपयोगी सहारा

बैतूल (निप्र)। भारत सरकार की एडीआईपी एवं वयोश्री योजनांतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा शुक्रवार को जनपद पंचायत प्रभातपट्टन में सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एल्मिको जबलपुर के विशेषज्ञों द्वारा पूर्व में चिन्हित किए गए दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को जीवन उपयोगी उपकरण प्रदान किए गए। लाभार्थी प्रभातपट्टन, आठनेर, मुलताई जनपद पंचायतों तथा नगरपालिका परिषद मुलताई एवं नगर परिषद आठनेर क्षेत्र से थे। उक्त शिविर में विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सोनाली इडपाचे, जनपद सदस्य श्री नितेश काले एवं खंड पंचायत अधिकारी श्री प्रेमकुमार पानकर ने उपकरणों का वितरण किया। इस अवसर पर विधायक श्री देशमुख ने शासन की इस जनहितैषी योजना की सराहना करते हुए दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को सम्बोधित किया और केंद्र सरकार व सामाजिक न्याय मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया। विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिससे लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी एवं संतोष झलकता नजर आया।

मिसगाइड करने और शासकीय कार्यों में लापरवाही पर सीडीपीओ के खिलाफ विभागीय जांच कराने के निर्देश

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आज जिला स्वास्थ्य समिति के स्वास्थ्य कार्यों की गहन समीक्षा की है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने समीक्षा बैठक में गलत जानकारी दे कर मिसगाइड करने और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में आशातीत सफलता व रिकार्ड में सुधार नहीं लाने के फलस्वरूप ग्यारसपुर सीडीपीओ अरुण कान्त प्रजापति की विभागीय जांच करने हेतु दल गठित करने एवं वार्षिक गोपनीय चरित्रावली में उल्लेख दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इस बैठक में स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला और खंड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी इस बैठक में मौजूद रहे। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में दोनों विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले की स्वास्थ्य संस्थानों में क्रियान्वित चिकित्सीय प्रबंधों की गहन समीक्षा की उन्होंने खासकर चिकित्सीय संस्थानों में मरीज को त्वरित उपचार मिले मरीज को किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना न करना पड़े साथ ही स्वस्थ व महिला का बाल विकास विभाग से संबंधित योजनाओं में हितग्राहियों को लाभान्वित करने हेतु विशेष प्रयास करें का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं उन्होंने खासकर प्रेशर केन्द्रो पर डिलीवरी हेतु किया जा रहे हैं कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा है कि एक भी डिलीवरी घर में ना हो जिले में सभी डिलीवरी परिषद केन्द्रों पर ही किया जाना सुनिश्चित हो के लिए कार्य करें। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज सहित विदिशा जिले के दो सिविल अस्पताल, 07 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 23 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और 04 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों को प्रदाय हो रहघ सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि इन सभी शासकीय चिकित्सा संस्थानों में डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ समय पर उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। साथ ही नर्सिंग स्टाफ मरीज व उनके परिजनो से मधुर व्यवहार करें और समय पर इलाज मुहैया कराया जाना सुनिश्चित करने में महती भूमिका निभाएं। उन्होंने 108 एंबुलेंस और जननी एक्सप्रेस द्वारा प्रदाय की जा रही परिवहन सेवा के संबंध में भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एंबुलेंस सेवा समय पर घायलों को अस्पताल पहुंचाने का कार्य करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला रेडक्रास सोसायटी कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा विदिशा की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से मुहैया कराई जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारियां प्रस्तुत की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने भारतीय रेडक्रास सोसायटी की विदिशा शाखा के द्वारा सम्पादित किए जा रहे नवाचार कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे मार्ग पर समिति के माध्यम से फर्स्ट एड बाक्स रखने के स्थलो में वृद्धि करने के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि संयोग अथवा आकस्मिक सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायलो के उपचार में इन फर्स्ट एड बाक्स की जानकारी सुगमता से प्राप्त हो सकें इसलिए संधारित स्थलो पर साइन बोर्ड के माध्यम से प्रदर्शित की जाए। इसी प्रकार जिला चिकित्सालय में संचालित जन औषधी केन्द्र पर अधिक से अधिक दवाईयां मरीजो के द्वारा क्रय की जाए इसके लिए प्रचार-प्रसार के संसाधनो पर बल दिया गया है। समिति के सदस्यो द्वारा सुझाव दिया गया कि रक्तदाताओं को भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा विदिशा के माध्यम से प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाएं इसके लिए रक्तदाताओं की सूची उपलब्ध कराने हेतु जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज के रक्तदान कक्षो के प्रभारियों को सूचित करने हेतु ताकिद किया गया है।

पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण, जल संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा अत्यंत आवश्यक : केंद्रीय मंत्री श्री उइके

बैतूल (निप्र)। घोड़ाडोंगरी विकासखंड के अंतर्गत आदर्श ग्राम कान्हावाड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान- 2025 के अंतर्गत एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय मामलें, श्री दुर्गादास उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके तेंदूपत्ता बोनस वितरण एवं पंचकुंडी यज्ञ समापन समारोह में सम्मिलित होने ग्राम कान्हावाड़ी पहुंचे थे। उन्होंने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कान्हावाड़ी द्वारा विकसित पोषण वाटिका में आम का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर उन्होंने समिति की गतिविधियों का अवलोकन किया तथा ग्राम में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीण स्तर पर चलाए जा रहे जन-जागरूकता एवं सहभागिता आधारित कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण, जल संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा अत्यंत आवश्यक है। ग्रामवासी जिस समर्पण के साथ इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने सभी समिति सदस्यों को शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व विधायक श्री रामजीलाल उइके, गायत्री परिवार बैतूल के जिला प्रमुख डॉ. कैलाश वर्मा जी, श्री अमोल पानकर, श्री राजेंद्र मालवीय, डॉ. मनोज पाटनकर, ब्लॉक समन्वयक श्री संतोष राजपूत, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री सुखलाल धुर्वे, बीएस डब्ल्यू के सामाजिक कार्यकर्ता श्री जोधा धुर्वे तथा समिति के अन्य सदस्य एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

किताबें दान करें, जरूरतमंद विद्यार्थियों का जीवन संवारें :श्रीमती हर्षिका सिंह

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की सीईओ श्रीमती हर्षिका सिंह तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए एक नवीन पहल की गई है। शुक्रवार को औबेदुल्लागंज विकासखण्ड में मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र भोजपुर में 'ज्ञान दान अभियान' का शुभारंभ समूह की महिलाओं द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें उपलब्ध कराना है। इस अभियान के तहत, लोग 'पुरानी और उपयोग में न आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें' दान कर सकते हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को लाभ मिल सके। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भदौरिया ने इस

नवीन पहल के बारे में बताया कि कई प्रतिभाशाली छात्र 'अध्ययन सामग्री की कमी के कारण' अपनी तैयारी पूरी नहीं कर पाते। आपकी एक छोटी सी पहल किसी के 'सपनों को नई दिशा दे सकती है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत नागरिक यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तकें, स्कूल और कॉलेज स्तर की शैक्षणिक पुस्तकें, सामान्य ज्ञान एवं संदर्भ पुस्तकें दान दे सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान में जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि आपका पुस्तक दान किसी छात्र के 'भविष्य को रोशन कर सकता है। इच्छुक व्यक्ति सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र भोजपुर विकाशखण्ड ओबेदुल्लागंज जिला रायसेन संग्रहण केंद्र में पुस्तकें जमा कर सकते हैं।

उन्होंने सभी से अपने मित्रजनों, परिवार और सहकर्मियों को इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित करने हेतु कहा है। ज्ञानदान अभियान के माध्यम से हम सब मिलकर शिक्षा को सबके लिए सुलभ बना सकते है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर आजीविका मिशन ओबेदुल्लागंज विकाशखण्ड प्रबंधक जितेंद्र चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी, औबेदुल्लागंज जनपद शिक्षा केन्द्र के अधिकारी, शिक्षकगण तथा स्व-सहायता समूहों/ग्राम संगठनों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

जल गंगा संवर्धन अभियान का जिले में हो रहा बेहतर क्रियान्वयन

सीहोर (निप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के ग्राम नांगली, हालिया खेड़ी, कुड़ी, भिलाई, छापरी कलां, शाहपुरकोड़िया, मूंडला कला, बिजोरा, जानपुर बावड़िया अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सीहोर जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम बमुलिया, दोराहा, जानपुर बावडिया, छापरी कला में सार्वजनिक कुओं के गहरीकरण एवं साफ-सफाई के लिए श्रमदान किया गया।

शासकीय स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का किया गया निरीक्षण

भोजन के नमूने लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए

रायसेन (निप्र)। शासकीय स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का किया गया निरीक्षण, भोजन के नमूने लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए रायसेन, 11 अप्रैल 2025 शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को मीनू अनुसार गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन मिले, इसके लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा अधिकारियों को स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में सांची विकासखण्ड में शासकीय माध्यमिक स्कूल आमखेड़ा, शासकीय हायर सेकेण्डरी कन्या शाला सांची एवं सीएम राइज सांची में विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले तैयार मध्यान्ह भोजन का खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप वर्मा द्वारा परीक्षण कर नमूने लिए गए। इस दौरान जन शिक्षक प्रदीप सोनी तथा जन शिक्षक कैलाश कुशवाह उपस्थित रहे। शासकीय माध्यमिक शाला आमखेड़ा से मूंग की दाल छिलका बनी हुई, लौकी की सब्जी तथा बनी हुई रोटी का और सीएम राइज स्कूल सांची से बनी हुई मूंग की दाल छिलका, आलू मटर टमाटर की सब्जी बनी हुई तथा रोटी का नमूना लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल जांच हेतु भेजा गया।शासकीय स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का किया गया निरीक्षण, भोजन के नमूने लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला

भोपाल भेजे गए रायसेन, 11 अप्रैल 2025 शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को मीनू अनुसार गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन मिले, इसके लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा अधिकारियों को स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में सांची विकासखण्ड में शासकीय माध्यमिक स्कूल आमखेड़ा, शासकीय हायर सेकेण्डरी कन्या शाला सांची एवं सीएम राइज सांची में विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले तैयार मध्यान्ह भोजन का खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप वर्मा द्वारा परीक्षण कर नमूने लिए गए। इस दौरान जन शिक्षक प्रदीप सोनी तथा जन शिक्षक कैलाश कुशवाह उपस्थित रहे। शासकीय माध्यमिक शाला आमखेड़ा से मूंग की दाल छिलका बनी हुई, लौकी की सब्जी तथा बनी हुई रोटी का और सीएम राइज स्कूल सांची से बनी हुई मूंग की दाल छिलका, आलू मटर टमाटर की सब्जी बनी हुई तथा रोटी का नमूना लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल जांच हेतु भेजा गया।

शासकीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने कलेक्टर ने प्राचार्यो तथा शिक्षकों को दिए निर्देश

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक तथा पालक/विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक तथा कलेक्टर एवं पालक/विद्यार्थी संवाद का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में शासकीय स्कूलों में शिक्षा के स्तर को और अधिक बेहतर बनाने बैठक में उपस्थित शिक्षा विभाग के अधिकारियों, संकुल प्राचार्यो तथा शिक्षकों से विस्तृत चर्चा कर सुझाव लिए और दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में प्राचार्यो तथा शिक्षकों से उन्हें शैक्षणिक कार्य में आने वाली कठिनाईयों और समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही पालकों से भी संवाद किया गया। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिवस प्रति शुक्रवार वह शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अभिभावकों की समस्याएं या शिकायतों की सुनवाई करेंगे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि शासकीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को ओर बेहतर बनाने अनुशासन, समयबद्धता और अनुकूल शैक्षणिक परिवेश जरूरी है। शिक्षकों के हाजिरी रजिस्टर पर प्रतिदिन हाजिरी दर्ज की जाए। पाठ्य पुस्तकों का समय पर वितरण हो तथा उसकी प्रविष्टि भी हो! जिला शिक्षा अधिकारी तथा संकुल प्राचार्य यह सुनिश्चित कराएं। उन्होंने अपार आईडी तथा एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर बच्चों की प्रविष्टि की समीक्षा की। जिले में शासकीय स्कूलों में शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने सभी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता और निष्ठा से निर्वहन करें, अब कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सभी प्राचार्य अपने-अपने विद्यालयों में अनुशासन और समयबद्धता बनाए रखें। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्राचार्यो तथा शिक्षकों से कहा कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी जमीनी स्तर की समस्याओं एवं मूलभूत आवश्यकताओं से समय-समय पर संबंधित अधिकारी को अवगत कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, छात्रों के परीक्षा परिणामों में सुधार और स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों की नियमित जांच की जाएगी और शिक्षा में सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर द्वारा प्राचार्यो को अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेने और समयबद्ध लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने प्राचार्यो तथा शिक्षकों से कहा कि स्कूल में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने का प्रयास करें, लगातार अनुपस्थित बच्चों के पालकों से मिलकर उन्हें शिक्षा का महत्व बताएं और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें। समय-समय पर बच्चों के पालकों को बुलाकर बच्चों के सर्वांगीण विकास संबंधी चर्चा कर उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक करें।

बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अपने स्कूल के बच्चों का मनोबल बढ़ाएं। उन्हें हमेशा सकारात्मक सोच के साथ पढ़ाई के प्रति जागरूक करें। जिससे जिले का शिक्षा स्तर ऊंचा हो सके। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराएं, बच्चों को समय पर छात्रवृत्ति मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय स्तर पर ही बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनवाए जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक, डीपीसी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य, शिक्षक तथा पालक उपस्थित रहे।

दुर्घटनाओं का बना रहता है अंदेशा

अंबेडकर फ्लाईओवर पर डामर की परत फिर से उखड़ने लगी

» फ्लाईओवर की मूलभूत समस्याओं का कोई समाधान नहीं हुआ

भोपाल। अंबेडकर फ्लाईओवर की स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है। हाल ही में फ्लाईओवर पर कुछ मरम्मत कार्य जरूर किया गया, लेकिन स्थानीय नागरिकों और नियमित रूप से इसका उपयोग करने वालों का कहना है कि इससे फ्लाईओवर की मूलभूत समस्याओं का कोई समाधान नहीं हुआ है। फ्लाईओवर पर जगह-जगह उखड़ी हुई सतह और जर्जर जोड़ अब भी राहगीरों के लिए खतरा बने हुए हैं, जिससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि दुर्घटनाओं का अंदेशा भी लगातार बना हुआ है।अंबेडकर फ्लाईओवर, जो कि शहर के कई महत्वपूर्ण हिस्सों को जोड़ता है। फ्लाईओवर पर असमान सतह वाहन चालकों के लिए मुसीबत हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए तो यह स्थिति और भी खतरनाक है, क्योंकि जरा सी चूक भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। भारी वाहनों के गुजरने से फ्लाईओवर में कंपन महसूस होता है। हाल ही में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा फ्लाईओवर पर कुछ पैचवर्क किया गया था। लेकिन मरम्मत के कुछ ही दिनों बाद डामर की परत फिर से उखडने लगी हैं।

यह मरम्मत कैसी है, कुछ दिन पहले ही तो डामरीकरण हुआ था और अब देखो, फिर से वही हाल है। कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला वहीं है।

उद्घाटन के कुछ दिन बाद ही मिली थी खामियां, 4 इंजीनियरों पर गिरी थी गाज

हाल ही में भोपाल के सबसे लंबे ओवर ब्रिज अंबेडकर सेतु (जीजी फ्लाईओवर) का उद्घाटन हुआ था। उद्घाटन के कुछ दिन बाद ही पुल में खामियां सामने आईं हैं. पीडब्ल्यूडी के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक नव निर्मित जीजी फ्लाईओवर का निरीक्षण किया. इस निरीक्षण के दौरान ब्रिज की फिनिशिंग में खामियां मिली है. इसको लेकर दो इंजीनियरों पर गाज गिरी है. उद्घाटन के कुछ दिन बाद ही जीजी फ्लाईओवर के निर्माण की फिनिशिंग में खामियां मिली है. इसको लेकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी ने शनिवार को प्रोजेक्ट प्रभारी सहायक यंत्री (एई) रवि शुक्ला और सब इंजीनियर उमाकांत मिश्रा को सस्पेंड कर दिया. वहीं, दो चीफ इंजीनियर जीपी वर्मा और सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर जावेद शकील को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. बता दें पीडब्ल्यूडी के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने फ्लाई ओवर का निरीक्षण किया. उनके साथ विभाग के प्रमुख इंजीनियर, ब्रिज निर्माण के सीनियर अधिकारी और एनएचएआई भोपाल के क्षेत्रीय अधिकारी (मुख्य अभियंता) श्रवण कुमार सिंह भी उपस्थित रहे. निरीक्षण के दौरान फ्लाईओवर की गुणवत्ता में ही खामियां मिली हैं. इसको लेकर इंजीनियरों पर तो गाज गिरी ही है. साथ में कंपनी पर जुर्माना लगाकर सुधार कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं.

राजधानी में इंसानियत फिर हुई शर्मसार

बच्चों के साथ घंटो तक पति के शव के पास बैठी रही, नहीं मिली मदद

युवक की संदिग्ध हालात में मौत, पत्नि ने कहा कुत्ते के काटने से गई जान

भोपाल। राजधानी में एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली वाली घटना सामने आई है। कोहेफिजा थाना इलाके में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसकी पत्नि बच्चो के साथ कई घंटो तक पति के शव के पास बैठी रही, लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली। हालांकि बाद में जागरुक लोगो के प्रयास से इसकी सूचना सोशल मीडिया की मदद से पुलिस तक पहुंचाई। इसके बाद शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कोहेफिजा पुलिस ने शव को पीएम के लिये हमीदिया अस्पताल मर्चुरी में रखवाते हुए उसके परिवार वालो को खबर दी। मृतक की पत्नि का कहना है कि पति की मौत कुत्ते के काटने से हुई है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से सागर का रहने वाला बबलू राणा पुत्र किशोरी राणा (32) करीब एक साल पहले पत्नी बच्चों के साथ काम करने के लिये भोपाल आया था। फिलहाल वो मेहनत-मजदूरी करते हुए परिवार के साथ सिंगारचोली ब्रिज के नीचे अन्य मजदूर परिवारो के साथ झुग्गी बनाकर रह रहा था। उसकी पत्नि का कहना है की बीते दिनों एक कुत्ते ने पति को काट लिया था। इसके बाद से ही उनकी तबीयत खराब रहने लगी थी। बाद में वह अजीब-अजीब आवाजें निकालने लगे थे। शनिवार रात को बबलू के मुंह से फैन निकलने लगा इससे पहले वह हॉस्पिटल जा पाते थोड़ी देर में ही उनकी मौत हो गई। पति की मौत के बाद उसकी पत्नी कई घंटो तक दो मासूम बच्चो के साथ पति के शव के पास बैठी रही। इस दौरान वहाँ से काफी लोग निकले लेकिन किसी ने उनकी परेशानी को जानना उचित नहीं समझा। शनिवार देर रात मामले ने तूल पकड़ा इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ इसके बाद हादसे की सूचना पुलिस तक पहुंची। लोगों का कहना है कि युवक की मौत शनिवार शाम 4 बजे हो गई थी। उसका शव सिंगार चोली के पास पुल के नीचे पड़ा रहा और पत्नी बच्चो के साथ पति के शव के पास बैठी रही। बाद में इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

उपार्जन, तुलाई और नीलामी प्रभावित

3 दिन के अवकाश से मंडियों में बढ़ा दबाव

किसानों ने कहा - इस तरह लगातार छुट्टियों से मंडियों में अव्यवस्था फैल रही

भोपाल। माह के द्वितीय शनिवार, रविवार और सोमवार को अंबेडकर जयंती पर अवकाश के कारण सरकारी काम काज के साथ साथ कृषि उपज मंडी के कामकाज पर भी असर पड़ा है। चूंकि मंडी के अधिकारी, कर्मचारी तीन दिन अवकाश पर रहेंगे। लिहाजा मंडी पर लोडिंग, अनलोडिंग, खरीदी और बिक्री का दबाव बढ़ गया था। तीन दिन के अवकाश के कारण गेहूं उपार्जन सहित अन्य काम भी प्रभावित हो रहे है। यही वजह है कि अवकाश से एक दिन पहले किसानों और व्यापारियों की भारी भीड़ देखी गई। कमोबेश यही स्थिति प्रदेश की सभी मंडियों में रही।

सूत्रों की मानें तो मंडी प्रशासन और कर्मचारी भले ही खुलकर काम पर असर नहीं मान रहे हों, लेकिन लगातार छुट्टियों से उपार्जन कार्य, तुलाई, भुगतान और नीलामी जैसे अहम काम रुक गए हैं। खासकर बैंक भी बंद रहने के कारण लेखा-जोखा संबंधी कार्य भी ठप रहेगा।

किसानों का कहना है कि इस तरह लगातार छुट्टियों से मंडियों में अव्यवस्था फैल रही है और उनकी फसलें लंबे समय तक बिकने के इंतजार में पड़ी रहती हैं, जिससे नुकसान होता है।

विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक में फैसला

बीएएलएलबी-बीएससी एग्रीकल्चर के लिए सीयूईटी देना अनिवार्य

» यूटीडी पाठ्यक्रम में 75 फीसद सीट पर नान सीयूईटी

» साथ ही 25 फीसद सीयूईटी के लिए आरक्षित होंगी

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने सत्र 2025-26 में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स (यूटीडी) में संचालित 70 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार बीयू से बीएएलएलबी और बीएससीं एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी (कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) देना अनिवार्य होगा। वहीं यूटीडी में संचालित अधिकतर पाठ्यक्रमों में सीयूईटी और नॉन सीयूईटी (ऐसे छात्र जो सीयूईटी-यूजी व पीजी में शामिल नहीं होंगे) दोनों तरह के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इस बार 75 फीसद सीट पर नान सीयूईटी और 25 फीसद सीयूईटी के लिए आरक्षित होंगी। अधिकारियों ने बताया कि 12वीं के परिणाम घोषित होते ही पंजीयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। खासतौर पर यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मप्र बोर्ड 12वीं का रिजल्ट आने के बाद पंजीयन शुरू किए जाएंगे।

पीजी पाठ्यक्रमों में भी नान सीयूईटी को प्राथमिकता रहेगी- पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) पाठ्यक्रमों में बीते वर्षों में सीयूईटी स्कोर के आधार पर पर्याप्त प्रवेश नहीं हो सके। विवि में अधिकत्तर विद्यार्थी नान सीयूईटी श्रेणी से ही आवेदन करते हैं, इसलिए पीजी पाठ्यक्रम के लिए भी 75 प्रतिशत सीटें नान सीयूईटी विद्यार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं।

यूजी तीसरे वर्ष का परिणाम समय पर देना होगी- विवि के सामने यूजी तीसरे वर्ष का परिणाम समय पर घोषित करना सबसे बड़ी चुनौती है, ताकि नान सीयूईटी विद्यार्थी समय पर आवेदन कर सकें।यदि यह प्रक्रिया देरी से होती है, तो प्रवेश में परेशानी आ सकती है।

इनका कहना

सीयूईटी देने वाले विद्यार्थियों के लिए 25 प्रतिशत सीटें और 75 प्रतिशत सीटें नान सीयूईटी के लिए रहेंगी। कुछ पाठ्यक्रम बीएएलएलबी और कृषि में सीयूईटी के तहत ही प्रवेश दिए जाएंगे।इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन अधिक आते हैं।

- प्रो. रुचि घोष दस्तीदार,समन्वयक, प्रवेश समिमि,बीयू

मैनिट में 15 से अधिक फूड छात्र प्वाइजनिंग का शिकार

» शिकायतों के बावजूद नहीं सुधरी मेस व्यवस्था

भोपाल। भोपाल के मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में शुक्रवार शाम और शनिवार सुबह छात्रों को परोसे गए भोजन के बाद दर्जनों छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। छात्रों को उल्टी, पेट दर्द और सिर दर्द जैसे लक्षण हुए, जिसके चलते कई को शारदा अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। प्रभावित छात्रों में अधिकांश प्रथम वर्ष के बताए जा रहे हैं। छात्र संगठनों का आरोप है कि हॉस्टल के भोजन की गुणवत्ता लंबे समय से खराब रही है और इस संबंध में प्रशासन को कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उधर, मैनिट प्रशासन का कहना है कि सिर्फ 15 छात्रों ने स्वास्थ्य संबंधी शिकायत की थी, जिन्हें रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार दिया, जबकि कुछ को अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, रविवार सुबह से शाम तक 20 से अधिक छात्र इलाज के लिए पहुंचे। डॉक्टरों का मानना है कि मामला फूड प्वाइजनिंग का हो सकता है। फिलहाल छात्रों की स्थिति स्थिर है।

भोपाल एम्स में दो नई रिफ्रेक्शन यूनिट शुरू

» आंखों की जांच के लिए अब नहीं करना होगा दो दिन का इंतजार

भोपाल। शरीर के सबसे नाजुक अंगों में से एक, आंखों की समस्या हो और इलाज के लिए लंबी वेटिंग हो, तो यह गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है। इसी समस्या को देखते हुए भोपाल एम्स के नेत्र विभाग की ओपीडी में दो नई रिफ्रेक्शन यूनिट शुरू की गई हैं। अब संस्थान में ऐसी कुल 6 यूनिट हैं, जिनमें 3 नए रिफ्रेक्शनिस्ट (आंखों की जांच करने वाले टेक्नीशियन) समेत कुल 8 सदस्यीय टीम तैनात रहेगी।

यहां नेत्र रोग से ग्रसित मरीजों की कॉर्निया (आंख की सबसे बाहरी पारदर्शी परत) से लेकर मांसपेशियों तक की जांच की जाती है। नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा ने बताया कि इन इकाइयों के माध्यम से मरीजों को समय पर जांच और परामर्श की सुविधा मिल सकेगी, जिससे उनके उपचार में मदद मिलेगी। नेत्र विभाग के डॉक्टरों के अनुसार, अब तक केवल चार रिफ्रेक्शन यूनिटों के माध्यम से ही नेत्र रोगियों की जांच की जा रही थी। समय के साथ मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा होने के कारण, ओपीडी में आने वाले सभी मरीजों की जांच एक ही दिन में कर पाना कठिन हो गया था। ऐसे में मरीजों को जांच के लिए एक से दो दिन तक इंतजार करना पड़ता था। जिससे दूरदराज से आने वाले मरीजों को रुकने और खाने-पीने के अतिरिक्त खर्च का सामना करना पड़ता था। मरीजों की परेशानी को देखते हुए, नेत्र विभाग द्वारा तीन नए रिफ्रेक्शनिस्ट की नियुक्ति के साथ दो नई रिफ्रेक्शन यूनिटों की स्थापना की गई है। ये नई यूनिटें ट्रामा ओपीडी के पास स्थित हैं, जबकि पुरानी चार यूनिटें नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में पहले से संचालित हो रही हैं।

'जल बचाएं, जीवन और धरा को सुरक्षित बनाएं'

» जन-संकल्प से अभियान को मिलेगी सिद्धिः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

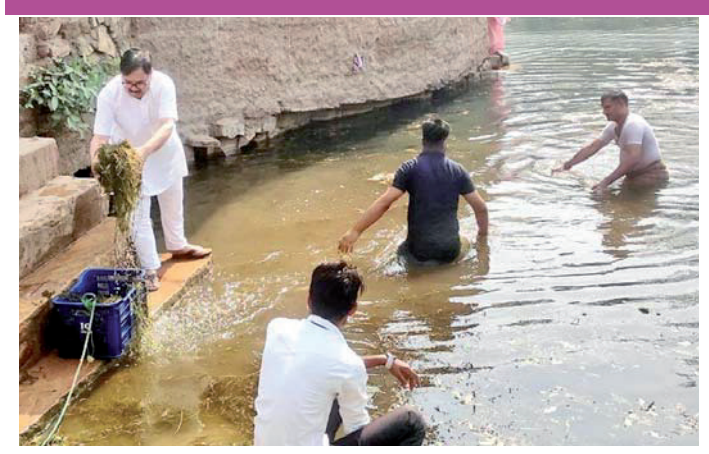

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को सिद्धि मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को सिद्ध करने के लिए प्रदेश में 90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया है। उन्होंने इस अभियान में गांवों में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। अभियान में नदियों के संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है।

श्रीराम और माता सीता की साक्षी मंदाकिनी को सहेजने जुटी जन-शक्ति- सतना में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा नेतृत्व में प्रत्येक शनिवार को मंदाकिनी नदी के तट और स्फटिक शिला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए जन-शक्ति जुट रही है। भगवान श्री राम और माता सीता ने 14 वर्ष के वनवास का अधिकांश समय मंदाकिनी नदी के जल से साक्षात्कार करते हुए ही व्यतीत किया था। श्रीराम तीर्थ में स्नान एवं दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं ने इस अभियान की सराहना की है।

उमरिया में अपनी मिट्टी अपना जल को सहेजने नवाचार- जल गंगा संवर्धन अभियान में उमरिया जिले में जल संरक्षण के लिए जन सहयोग से बोरी बंधान का नवाचार किया जा रहा है। जिले के आदर्श गांव भरौली के खजुरा नाला के पानी पर बोरियों का बोरी बंधान बनाकर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। गांव के निवासी जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए संकल्पित होकर अभियान में सहयोग के लिए जुटे हुए हैं।

रीवा में बन रहे 344 रिचार्ज पिट- जल गंगा संवर्धन अभियान रीवा जिले में 564 ग्राम पंचायतों के 344 कुओं में रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं। परंपरागत कुओं में रिचार्ज पिट बनाने के लिए तकनीकी स्वीकृति जारी कर दी गई है। अभियान में विकासखण्ड गंगेव में 54, जवा में 49, रायपुर कर्चुलियान में 63, विकासखण्ड रीवा में 56, सिरमौर में 63 तथा विकासखण्ड त्योंथर में 59 रिचार्ज पिट का निर्माण किया जा रहा है। इससे वर्षा जल रिचार्ज पिट के माध्यम से कुंओं में जाकर उनके भू-जल स्रोतों को समृद्ध करेगा। रीवा के 10 हजार हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट से वर्षा जल सहेजा जाएगा।

मंदिर तालाब की सफाई से 'जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार' का संदेश- शहडोल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ब्यौहारी के गांवमऊ के प्राचीन चिपाढ़नाथ हनुमान मंदिर में तालाब की सफाई जन-भागीदारी से की गई। मंदिर के पुजारी, जन-प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों ने भी जन-भागीदारी में जुटे श्रद्धालुओं का साथ दिया। स्थानीय आस्था के केन्द्र, इस मंदिर के पुजारी ने श्रद्धालुओं को जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार' का संदेश दिया।

बिट्टन मार्केट में राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव, 200 से ज्यादा स्वदेशी वस्तुओं के स्टॉल लगे

भोपाल। भोपाल के बिट्टन मार्केट में राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव चल रहा है। इस मेले में गुजरात, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों तथा भारत सरकार की एमएसएमई इकाइयों की 200 से अधिक स्वदेशी उत्पादों की स्टॉल लगाई गई हैं। महोत्सव का उद्देश्य 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देना है। यह मेला 7 अप्रैल से शुरू हुआ था और 13 अप्रैल तक चलेगा। हर दिन बड़ी संख्या में भोपालवासी मेले में पहुंचकर जमकर खरीदारी कर रहे हैं। इस मेले में गुजरात के अहमदाबाद से 44 ज्यादा स्टॉल लगे हैं। जिसमें हैंडमेड डिजाइन साड़ी, कुर्ते, जूते और खाने पीने की वस्तुएं भी लगाई गई हैं। साथ ही कोयंबटूर सिल्क, कॉटन सिल्क और तमिलनाडु की कांची साड़ी स्टॉल भी लगे हैं। साथ ही कोयम्बटूर कॉटन सिल्क, मिट्टी के बर्तन जैसे कई स्टॉल लगे है। वहीं, मेले के बारे में रीवा से आई शर्मिला ने बताया कि वह भोपाल घूमने आई थीं, तभी उन्हें इस मेले के बारे में पता चला। उन्हें मेले में सबसे ज्यादा मिट्टी के बर्तन और हैंडमेड सजावटी सामान पसंद आया। इस दौरान, हैंडमेड पेंटिंग का स्टॉल लगाने वाली भारवी ने बताया कि उन्होंने मधुबनी, गोंड और पिचमड़ी जैसी कई पेंटिंग्स स्वयं बनाकर स्टॉल में प्रदर्शित की हैं, जिन्हें लोग काफ़ी पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, मेले में पीतल के बर्तन, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां और कई खाने-पीने के स्टॉल भी लगे हैं, जिन्हें दर्शक खूब सराह रहे हैं।

|| संपादकीय ||

जब बाबा साहब ने किया था संघ के शिविरों का दौरा, एक घंटे तक दलितों और उनके उत्थान पर की चर्चा

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों में बहुत हद तक साम्य है। विशेषकर, हिन्दू समाज में काल के प्रवाह में आई अस्पृश्यता को दूर करने के लिए जिस प्रकार का संकल्प बाबा साहब के विचारों में दिखायी देता है, उसके दर्शन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य में प्रत्यक्ष रूप से होते हैं। यही कारण है कि संघ और बाबा साहब प्रारंभ से, अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे के निकट रहे हैं। यह तथ्य बहुत कम ही सामने आया है कि डॉ. अंबेडकर ने संघ की शाखा एवं शिक्षा वर्गों में जाकर स्वयंसेवकों को संबोधित भी किया है और संघ के पदाधिकारियों से संघ कार्य की जानकारी भी प्राप्त की थी। इसलिए आज जब कहा जाता है कि बाबा साहब भी संघ की शाखा पर आए थे, तो लोग आश्चर्य व्यक्त करते हैं। परंतु, यह सत्य है। यह भी याद रखें कि संघ के प्रति बाबा साहेब के मन में कभी कोई दुराग्रह या नकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रहा है। अवसर आने पर उन्होंने संघ के संबंध में सद्भाव ही प्रकट किए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों के मन में भी बाबा साहेब के प्रति श्रद्धा का भाव है। संघ के कार्यकर्ता एकात्मता स्रोत में प्रतिदिन बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का स्मरण करते हैं।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सन् 1935 में पुणे में आयोजित महाराष्ट्र के पहले संघ शिक्षा वर्ग में आए थे। दरअसल, वे अपने व्यवसाय के निमित्त दापोली गए, तब वहाँ की शाखा पर भी गए और स्वयंसेवकों के साथ खुलेमन से चर्चा की। इसका उल्लेख भारतीय मजदूर संघ सहित अनेक सामाजिक संगठनों के संस्थापक रहे विचारक दत्तोपंत ठेंगठी ने अपनी पुस्तक 'डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा' में किया है। इसके साथ ही बाबा साहब डॉ. अंबेडकर से जुड़े रहे पूर्व लोकसभा सांसद बालासाहेब सालुंके ने भी इसका उल्लेख किया है। उनके पुत्र काश्यप सालुंके ने भानुदास गायकवाड़ के साथ मिलकर बालासाहेब सालुंके के संस्मरणों एवं विचारों का संकलन किया है- 'आमचं सायेब : दिवंगत खासदार बालासाहेब सालुंके'। इस पुस्तक के पृष्ठ 25 और 53 पर डॉ. अंबेडकर और आएसएस के संदर्भ में उपरोक्त उल्लेख आते हैं। याद रहे कि बाला साहेब सालुंके और उनके पुत्र काश्यप सालुंके का संघ से कोई संबंध नहीं है।

सन् 1937 में करहाड शाखा (महाराष्ट्र) के विजयादशमी उत्सव पर बाबा साहब का भाषण हुआ। सन् 1939 में एक बार फिर बाबा साहब पुणे के संघ शिक्षा वर्ग के सायंकाल के कार्यक्रम में आए थे। यहाँ उनकी भेंट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं तत्कालीन सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से हुई। इस अवसर पर एक प्रेरणादायी प्रसंग घटित हुआ, जो आज में हमें दिशा देता है। वर्ग में शामिल स्वयंसेवकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए बाबा साहब ने डॉ. हेडगेवार से पूछा- 'इनमें अस्पृश्य कितने हैं?' डॉ. हेडगेवार ने कहा- 'चलो, घूम कर देखते हैं'। बाबा साहब बोले- 'इनमें अस्पृश्य तो कोई दिख नहीं रहा'। डॉ. हेडगेवार ने कहा- 'आप पूछ लें'। बाबा साहब ने पूछा- 'आप में से जो अस्पृश्य हों, वे एक कदम आगे आ जाएं'। उस पंक्ति में से एक भी स्वयंसेवक आगे नहीं आया। बाबासाहब ने कहा- 'देखा, मैं पहले ही कहता था'। इस पर डॉ. हेडगेवार ने कहा- 'हमारे यहाँ यह बताया ही नहीं जाता कि आप अस्पृश्य हैं। आप अपनी अभिप्रेत जाति का नाम लेकर उनसे पूछें'। तब बाबासाहब ने स्वयंसेवकों से प्रश्न किया- 'इस वर्ग में कोई हरिजन, मांग, चमार हो, तो एक कदम आगे आए'। ऐसा कहने पर कई स्वयंसेवकों ने कदम आगे बढ़ाया। उनकी संख्या सौ से ऊपर थी।

सन् 1940 में भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पुणे में संघ की शाखा में गए थे। यहाँ स्वयंसेवकों के समक्ष अपने विचार प्रकट किए। इस संबंध में हाल ही में विश्व संवाद केंद्र, विदर्भ ने 9 जनवरी 1940 को प्रकाशित प्रसिद्ध मराठी दैनिक समाचारपत्र 'केसरी' की प्रति साझा की है। केसरी में प्रकाशित समाचार के अनुसार, बाबा साहब ने संघ के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा- "कुछ बातों पर मतभेद हो सकते हैं। लेकिन संघ की तरफ अपनत्व की भावना से देखता हूँ"। बाबा साहब के इस वाक्य से स्पष्ट है कि वे संघ के कार्य को अपना कार्य समझते थे। संभवतः उन्हें इस बात की प्रसन्नता रही होगी कि जिस काम को उन्होंने हाथ में लिया है, संघ के स्वयंसेवक उसे जमीन पर उतारने में बड़ा सहयोग दे रहे हैं।

बाबा साहब का संबंध संघ के साथ लंबे समय तक बना रहा। संघ पर लगे पहले प्रतिबंध को हटाने में बाबा साहब का जो सहयोग एवं परामर्श मिला, उसके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर 'श्रीगुरुजी' ने सितंबर-1949 में बाबा साहब से दिल्ली में भेंट की। अर्थात् बाबा साहब डॉ. अंबेडकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आपसी संपर्क-संवाद चलता रहा।

लोकेन्द्र सिंह लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में सहायक प्राध्यापक हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शिक्षक और सड़क दोनों मंजिल तक पहुंचाने के कारगर सेतु

शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे, जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं

> शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे।

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति,मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व ख़जाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं! अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म ज़बूत ढाल का काम कर सकते हैं !वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,, शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,, इसपर कुछ बातों का को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे

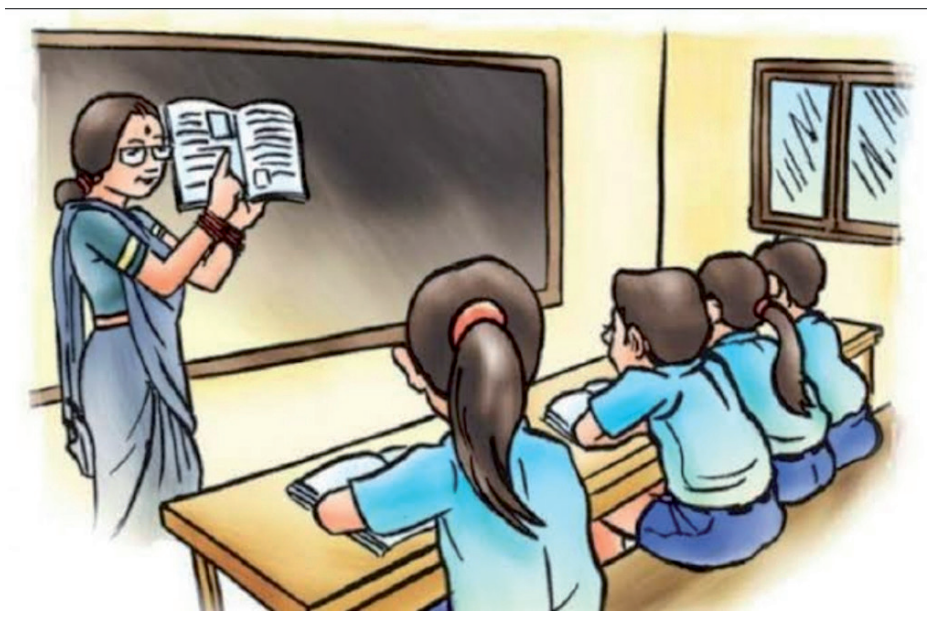

साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे।

साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के जिन्दगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के ज़रिये व्यक्ति समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने जिन्दगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मज़बूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। जिन्दगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूप हाथों से एक मज़बूत आकार प्रदान करता है।शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है।

शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टर ,कोई इंजीनियर कोई वकील,सीए,पायलट सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे । शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। देश का कृषि, व्यापार व औद्योगिक विकास परिवहन के साधनों पर ही निर्भर करता हैं।परिवहन एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय हैं। आज के परिपेक्ष में बिना सड़क के मानवीय जीवन अधूरा है। इसके बिना जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, हालांकि हजारों या सैकड़ों वर्षों पहले हमारे पूर्वज उस परिस्थितियों से दो चार हुए होंगे पर अभी आधुनिक डिजिटल युग में यह संभव नहीं।

साथियों बात अगर हम सड़क निर्माण के विशाल चरणों और सड़क के महत्व की करें तो, सड़क निर्माण में कार्य के कई चरण हैं, जैसे क्षेत्र सर्वेक्षण, मिट्टी सर्वेक्षण, यातायात सर्वेक्षण, ज्यामितिक डिज़ाइन, संरचनीय डिज़ाइन, और वास्तविक निर्माण क्षेत्र। भारत में सड़कें हाथों के श्रम से, या यंत्रों से, बनाई जाती है। पहले देश में मजदूर बहुतायत से मिलते थे जिसके कारण शारीरिक श्रम का ही अधिकतर प्रयोग किया जाता है, परंतु अब सब मशीनीकरण से हो गया है। भारतीय सड़कों का जाल विश्व का सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़क परिवहन छोटी एवं मध्यम दूरी तय करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह विश्वसनीय, तेज, लचीला तया मांगपूरित तरीका है, जो घर-घर जाकर सेवाएं उपलब्ध करा सकता है। यह गांवों को बाजारों, कस्बों, प्रशासनिक व सांस्कृतिक केन्द्रों से जोड़ता है और इस प्रकार उन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करता है। सड़क परिवहन सुदूरवर्ती पहाड़ी, मरुस्थलीय, जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ता है। सड़कें भी विभिन्न प्रकार के लोगों को अपनी मंजिल तक पहुंच आती है जैसे, राष्ट्रीय राजमार्ग- ये राजमार्ग देश की चौड़ाई एवं लंबाई के अनुसार बिछाये गये हैं। ये राज्यों की राजधानियों, बंदरगाहों, औद्योगिक व खनन क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय महत्व के शहरों एवं कस्बों को जोड़ते हैं।प्रांतीय राजमार्ग- ये एक राज्य के भीतर व्यापारिक एवं सवारी यातायात के मुख्य आधार होते हैं। ये राज्य के प्रत्येक कस्बे को राज्य की राजधानी, सभी जिला मुख्यालयों, राज्य के महत्वपूर्ण स्थलों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संलग्न क्षेत्रों के साथ जोड़ते हैं। जिला सड़कें: ये सड़कें बड़े गांवों एवं कस्बों को एक-दूसरे से तथा जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। ये अधिकांशतया कच्ची होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव जिला परिषदों या सम्बंधित सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। ग्रामीण सड़कें: ये सड़कें गांवों को जिला सड़कों से जोड़ती हैं। ये सड़कें प्रायः कच्ची, संकरी तथा भारी वाहन यातायात के अनुपयुक्त होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाता है। इन चारों के अतिरिक्त, सड़कों के तीन और अन्य प्रकार हैं- सीमा सड़कें, अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग और द्रुत राजमार्ग।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शिक्षक और सड़क मंजिल तक पहुंचाने के सेतु हैं,शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं। किसी भी देश के आर्थिक, बौद्धिक विकास में शिक्षक और सड़क की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना वर्तमान समय की मांग।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

भारत में मंदी नहीं

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ वार से दुनिया के देशों में हाहाकार, कोहराम मचा है। शेयर बाजार औंधे मुंह गिर रहे हैं। भारत की सूचीबद्ध कंपनियों के, एक ही दिन में, 14 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूब गए। आकलन है कि इसी सत्र में भारतीय बाजार के 50-60 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ताइवान आदि देशों में भी निवेश स्वाहा हुए हैं, लिहाजा निवेशक अपना शेष धन बचाने के लिए इधर-उधर प्रयासरत हैं। करीब 50 देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की पेशकश की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब अमरीका ने नहीं दिया है। हालांकि टैरिफ वार के बाद अमरीकी कंपनियों का मार्केट कैप भी करीब 516 लाख करोड़ रुपए (करीब 6 लाख करोड़ डॉलर) घट चुका है। यह राशि भारतीय जीडीपी से डेढ़ गुणा ज्यादा के करीब है। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा संभव है कि वह इस नुकसान की भरपाई जल्द ही कर ले! हालात ऐसे बन गए हैं कि अमरीका में ही आर्थिक मंदी की आशंका 35 फीसदी से बढ़ कर 45 फीसदी हो गई है। बहरहाल अमरीका में जन-सैलाब सडक़ों पर उमड़ा है। लोग राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ के साथ-साथ अन्य नीतियों का भी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। भीड़ के निशाने पर खरबपति अमरीकी एलन मस्क भी हैं। उनकी टेस्ला कारें जलाई जा रही हैं। ट्रंप जनवरी, 2025 में ही दूसरी बार अमरीका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए हैं। इतनी जल्दी उनकी लोकप्रियता के पतन को देखकर हर कोई हैरान है। शायद ऐसा किसी भी अमरीकी राष्ट्रपति के संदर्भ में नहीं हुआ! बेशक टैरिफ वार का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा, लिहाजा अमरीका के मित्र माने जाने वाले यूरोप और नाटो देश भी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन सरीखी अंतरराष्ट्रीय पंचायतों पर भी प्रहार किए हैं और वह वैश्वीकरण की धारणा और व्यवस्था को ही खत्म करने पर आमादा हैं, नतीजतन दुनिया की स्थापित 'सप्लाई चेन' भी खंडित होगी, लिहाजा नए व्यापारिक समीकरण बनेंगे और नई सप्लाई चेन भी स्थापित हो सकती है। अलबत्ता निर्यात कम होंगे। मांग कम होगी। मंदी के आसार बनेंगे। सरकारों को तैयार हो जाना चाहिए। यदि देश अमरीका पर ही टैरिफ लगाते हैं और अन्य देशों पर पहले जैसा ही टैरिफ वसूलते हैं, तो उसके परिणाम अलग होंगे। अमरीका के टैरिफ प्रहार पर फिलहाल भारत सरकार खामोश और निश्चिंत लग रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय आगामी 6 सप्ताह तक टैरिफ वार के चौतरफा प्रभावों का विश्लेषण करना चाहता है। बेशक भारत के कारोबार और अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा, लेकिन आर्थिक मंदी की बात करना या दुष्प्रचार करना गलत है। भारत में घरेलू बाजार, मांग और खपत व्यापक है। हम अमरीका को निर्यात के ही भरोसे नहीं हैं, क्योंकि भारत बड़ा निर्यातक देश नहीं है। हमारी जीडीपी में माल निर्यात की हिस्सेदारी मात्र 10 फीसदी है। जीडीपी का मात्र 2 फीसदी ही अमरीका की टैरिफ नीति से प्रभावित होगा। भारत मुख्यतः 'सर्विस इकोनॉमी' है। जीडीपी में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 65 फीसदी है। अमरीका को जो सेवा-निर्यात किया जाता है, उस पर टैरिफ बढ़ाया नहीं गया है, लिहाजा इस 'ट्रेड वार' से लगभग मुक्त रहेगा। भारत घरेलू मांग पर आधारित अर्थव्यवस्था है, लिहाजा कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भी हमने खाद्य-संकट महसूस नहीं किया। अब भी संभावना यही है कि अमरीका और चीन के बीच टैरिफ-युद्ध के आसार के मद्देनजर बड़े विदेशी निवेशक भारत में लौट सकते हैं। बहरहाल मंदी के आसार न भी हों, लेकिन व्यापारिक खौफ और अंतरराष्ट्रीय मांग के कम होने के कारण हमारे ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, धातु, फार्मा और ऊर्जा के बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है।

टेक्नोलॉजी

कौन से हैं भारत के टॉप 5 UPI ऐप्स? BHIM ऐप किस नंबर पर है? देखिए पूरी लिस्ट

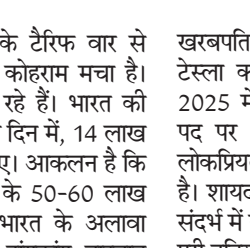

NPCI ने जो आंकड़े जारी किए हैं उसके मुताबिक, UPI ट्रांजेक्शन के मामले में टॉप पर वही ऐप्स कायम हैं, जिन्हें लोग पहले से सबसे ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं.

डिजिटल इंडिया की पहल के साथ ही भारत में डिजिटल पेमेंट का चलन तेजी से बढ़ा है और इसमें सबसे बड़ा रोल निभाया है UPI यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने. आज हर रोज करोड़ों लोग UPI के जरिए ट्रांजैक्शन कर रहे हैं, फिर चाहे वो सब्जी खरीदना हो या ऑनलाइन शॉपिंग करना.

ऐसे में सवाल उठता है कि भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला UPI ऐप कौन-सा है? और भारत सरकार का BHIM ऐप इस लिस्ट में कहां खड़ा है?

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने जो आंकड़े जारी किए हैं उसके मुताबिक, अक्टूबर 2024 के महीने में भारत में टॉप 5 UPI ऐप्स के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला है. हालांकि, टॉप पर वही ऐप्स कायम हैं, जिन्हें लोग पहले से सबसे ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, खासकर PhonePe और Google Pay.

PhonePe और Google Pay का जलवा बरकरार - सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला UPI ऐप PhonePe है. अक्टूबर 2024 में इस ऐप के जरिए 5734.54 मिलियन (यानी लगभग 573 करोड़) ट्रांजैक्शन किया गया था, जिनकी टोटल वैल्यू 9.06 लाख करोड़ से भी ज्यादा रही.

इसके बाद नंबर आता है Google Pay का, जिससे 4442.86 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए और इनका कुल लेन-देन 6.35 लाख करोड़ रहा. इन दोनों ऐप्स ने देश की सबसे बड़ी हिस्सेदारी पर कब्जा किया हुआ है. इनकी पॉपुलैरिटी का मुख्य कारण है इनका यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रिवार्ड पॉइंट्स और लगभग हर बैंक से कनेक्टिविटी.

Paytm, Navi और CRED की भी मजबूत मौजूदगी - तीसरे नंबर पर है Paytm Payments Bank ऐप, जिसके जरिए 1569.63 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए और इनकी वैल्यू 1.92 लाख करोड़ से ज्यादा रही. भले ही Paytm को कुछ रेगुलेटरी चुनौतियों का सामना करना पड़ा हो, लेकिन इसकी UPI सेवा पर लोगों का भरोसा अब भी कायम है.

चौथे स्थान पर है Navi ऐप. इस ऐप को सचिन बंसल ने शुरू किया था. अक्टूबर में Navi ने 158 मिलियन (15.8 करोड़) ट्रांजैक्शन दर्ज किए, जो कि CRED से ज्यादा हैं. Navi की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता ने इसे पहली बार टॉप 5 की लिस्ट में शामिल कर दिया है.

पांचवें नंबर पर है CRED ऐप, जिसके जरिए 152 मिलियन (15.2 करोड़) ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए. क्रेड अपने एक्सक्लूसिव यूजर बेस और रिवार्ड सिस्टम के लिए जाना जाता है, हालांकि अब इसे Navi से कड़ी टक्कर मिल रही है.

BHIM ऐप की गिरती स्थिति - सरकार द्वारा लॉन्च किया गया BHIM (Bharat Interface for Money) ऐप कभी डिजिटल भुगतान का चेहरा माना जाता था, लेकिन अब यह धीरे-धीरे पीछे होता जा रहा है. अक्टूबर 2024 के आंकड़ों के अनुसार, BHIM ऐप के जरिए केवल 29.98 मिलियन (करीब 3 करोड़) ट्रांजैक्शन हुए, जिनकी वैल्यू 8,778 करोड़ रही.

जनरल नॉलेज

आखिर कितना बड़ा है हमारा ब्रह्मांड, इसके अंदर क्या-क्या है मौजूद?

> हमारा ब्रह्मांड कितना बड़ा है, वैज्ञानिकों ने इस बात का पता तो लगा लिया है. लेकिन पता सिर्फ उतने का लग पाया है, जितना कि यह दिखाई देता है.

आकाश अनंत है, इसका कोई छोर नहीं है. पहले तो यही कहा जाता था, क्योंकि पहले इस बात का किसी को कोई अंदाजा ही नहीं था कि आखिर ब्रह्मांड कितना बड़ा है. मगर वैज्ञानिकों की बरसों की मेहनत के बाद आखिर अब इस बात का पता चल चुका है कि आखिर ब्रह्मांड कितना है, उन्होंने इसको नाप लिया है. पहले ब्रह्मांड को लेकर लोग तरह तरह की बातें करते थे कि इसको कोई नाप नहीं सकता है, क्योंकि यह हर दिशा में फैला हुआ है और लगातार फैल रहा है. लेकिन अब इसका पता चल गया है.

कितना बड़ा है ब्रह्मांड - साल 2016 में आई एक रिपोर्ट की मानें तो ब्रह्मांड करीब 93 अरब प्रकाश वर्ष चौड़ा है. प्रकाश वर्ष के पैमाने से हम किसी लंबी दूरी को नापते हैं. क्योंकि इसकी रफ्तार बहुत तेज होती है और वो एक सेकेंड में करीब दो लाख किलोमीटर की दूरी तय कर लेता है. ऐसे में एक साल में प्रकाश जितनी दूरी तय करता है, उसे ही पैमाना बनाकर नापा जाता है. दरअसल इतनी लंबी दूरी को मील या किलोमीटर में तो नापा नहीं जा सकता है, ऐसे में इसके लिए प्रकाश वर्ष का पैमाना तय किया गया है.

किन चीजों से मिलकर बना है ब्रह्मांण - हमारा ब्रह्मांड बहुत सारी चीजों से मिलकर बना हुआ है. हमारी धरती सौरमंडल का हिस्सा है. सौर मंडल में आठ ग्रह हैं जो कि सूरज के चारों ओर चक्कर लगाते हैं. इसी तरह से सूरज भी एक तारा है. जो कि हमारी आकाशगंगा मिल्की वे का हिस्सा है. ब्रह्मांड में मिल्की वे की तरह बहुत सी आकाशगंगाएं हैं, हालांकि ये कैसी हैं और उनका आकार कैसा है इसके बारे में अभी अंदाजा ही लगाया जा रहा है. हमारी आकाशगंगा को लेकर वैज्ञानिकों की राय है कि यह करीब एक लाख से डेढ़ लाख प्रकाश वर्ष चौड़ी है. ब्रह्मांड तो इससे न जाने कितने गुना बड़ा है.

ब्रह्मांड में क्या क्या मौजूद है - साल 2022 की एक रिपोर्ट की मानें तो अब तक ब्रह्मांड का नक्शा बनाने के लिए छह बार सर्वे हो चुके हैं. इसी से पता चला है कि इसके अंदर 30 से 200 मेगापारसेक्स जितनी लंबी आकृतियां मौजूद हैं. इसमें आकाशगंगाओं के गुच्छे, आकाशगंगाओं का समूह, अंतरिक्षीय दीवारें, सुपरक्लस्टर्स, ग्रह, तारे, फिलामेंट्स, नेबुला और सुपरनोवा जैसी तमाम चीजें मौजूद हैं. आम भाषा में इसे ब्रह्मांड का जाल भी कहा जाता है.

भूकंप के झटकों से दहला पाकिस्तान, रिएक्टर स्केल पर 5.8 मापी गई तीवरलता

एजेंसी इस्लामाबाद

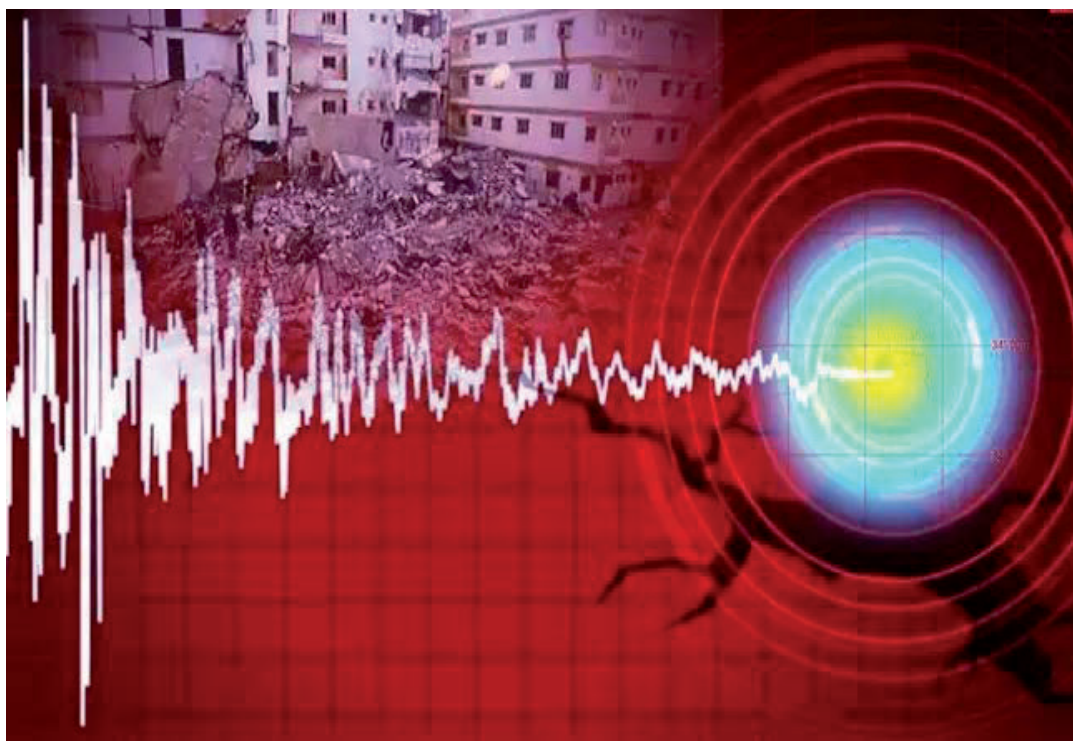

पाकिस्तान में शनिवार दोपहर को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने अपने बयान में बताया है कि रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई है। पंजाब और केपीके प्रांत के बड़े हिस्से में लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए हैं। भूकंप का केंद्र राजधानी इस्लामाबाद के पास रावलपिंडा में था। भूकंप के तेज झटकों से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और लोग घरों के बाहर निकल आए। पाकिस्तान सरकार की ओर से भूकंप की वजह से जानमाल के किसी नुकसान की जानकारी अभी नहीं दी गई है। पाक वेबसाइट जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार दोपहर को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी, अटक, चकवाल और पंजाब के दूसरे शहरों में झटके में महसूस किए गए। पंजाब के अलावा खैबर पख्तूनख्वा में पेशावर, मर्दन, मोहमंद और शबकदर में भी भूकंप के झटके आए। इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप दोपहर 12:31 बजे आया, जिसकी तीव्रता 5.5 और इसकी गहराई 12 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। रिएक्टर स्केल पर 5.8 की तीव्रता के भूकंप को मध्यम माना जाता है। एनएसएमसी ने बताया कि शनिवार को अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में भी 4.3 तीव्रता का भूकंप आया है। अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र पर सुबह 11:54 बजे आए भूकंप का केंद्र 88 किलोमीटर की गहराई पर था। डॉन के अनुसार, शांगला, स्वात, मर्दन, अबोतबाद, हरिपुर, मनसेहरा और कोहिस्तान सहित केपी के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप में किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। पकिस्तान-भारत और आसपास के मुल्कों में बीते कुछ दिनों में जमीन लगातार हिल रही है। 28 मार्च को म्यांमार में भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। म्यांमार के मांडले क्षेत्र में 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसके कुछ ही मिनट बाद फिर 6.4 तीव्रता का झटका आया। इससे जानमाल की भारी हानि पूरे क्षेत्र में हुई। इस भूकंप का असर आसपास के कई देशों में देखने को मिला था। म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद से अब तक यानी दो हफ्ते में 2.8 से लेकर 7.5 तीव्रता के 112 झटके इस क्षेत्र में महसूस किए गए हैं। शनिवार को पाकिस्तान में तेज झटके आए हैं।

पाकिस्तान के डेढ़ लाख से ज्यादा मजदूरों को नौकरी देगा रूस का दोस्त, शहबाज शरीफ की घोषणा, जानिए क्यों है सोने पर सुहागा

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को कहा है कि बेलारूस ने करीब डेढ़ लाख पाकिस्तानियों नौकरी देने की पेशकश की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे "पाकिस्तानी जनता के लिए एक उपहार" बताया है। पाकिस्तान ने कहा है कि बेलारूस का ये ऑफर दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का प्रतीक है, जो व्यापार, कृषि, रक्षा और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में विस्तार पा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के बीच मिन्स्क में हुई बैठक के दौरान, बेलारूस ने 1.5 लाख कुशल पाकिस्तानी युवाओं को अपने देश में काम करने का प्रस्ताव दिया। शहबाज शरीफ ने इसे पाकिस्तान के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। ये वर्कर्स कंस्ट्रक्शन, इंडस्ट्रियल प्लांट्स, कृषि और लॉजिस्टिक सेक्टर में लगाए जाएंगे। ये पेशकश उस समय आई है जब बेलारूस यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है और उसे नई मैनपावर और व्यापार साझेदारियों की तलाश है। पाकिस्तान, जो कि आर्थिक संकट और विदेशी मुद्रा भंडार की कमी से जूझ रहा है, ऐसे प्रस्ताव को सोने पर सुहागा मान रहा है। इससे पाकिस्तान को दो अहम फायदे मिल सकते हैं। एक तो इससे रेमिटेंस में बढ़ोतरी होगी और दूसरा बेरोजगार युवाओं को अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट हो सकेगी। बेलारूस का ये ऑफर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार के लिए राजनीतिक रूप से भी अहम साबित हो सकता है, जो बेरोजगारी पर चौतरफा आलोचना झेल रही है। यूक्रेन युद्ध के चलते रूस और बेलारूस को पश्चिमी वीजा बंदियों और लेबर ब्लॉकेज का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू वर्कफोर्स की कमी और निर्माण, खेती और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में कुशल मजदूरों की भारी डिमांड है। पाकिस्तान के मजदूर कम मेहनताना पर काम करेंगे, जो बेलारूस के लिए काफी महत्वपूर्ण है। आपको बता दें कि हाल के वर्षों में पाकिस्तान और बेलारूस के बीच संबंधों में धीरे-धीरे गहराई आई है। पाकिस्तान और बेलारूस के बीच 2021 में भी ट्रेड डायलॉग्स हुए थे। रक्षा क्षेत्र में भी शुरुआती बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी डील नहीं हुई। बेलारूस ने पाकिस्तान को IT, फार्मास्युटिकल और कृषि तकनीक में सहयोग देने की इच्छा जताई है। बेलारूस, चीन और रूस दोनों का रणनीतिक सहयोगी है। बेलारूस, जो रूस-चीन खेमे का खिलाड़ी है, उसके लिए पाकिस्तान, "गेटवे टू एशिया" है। बेलारूस और पाकिस्तान के बीच करीबी संबंध बन रहे हैं। इसके अलावा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) में पाकिस्तान की CPEC वाली भूमिका बेलारूस को आकर्षित करती है। हालांकि बेलारूस के घरेलू कानून काफी सख्त हैं और पाकिस्तान को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके नागरिक वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन झेलने को मजबूर न हों। सऊदी अरब और खाड़ी देशों की तरह, अब पाकिस्तान यूरोपीय क्षेत्र में भी अपनी वर्कफोर्स भेजने की तैयारी कर रहा है और ये उसके लिए एक बड़ा रणनीतिक मौका हो सकता है।

यूक्रेन को दो हिस्सों में बांटने की तैयारी, द्वितीय विश्व युद्ध का बर्लिन बनेगा! ट्रंप के दूत ने पुतिन को दिया ऑफर

एजेंसी मॉस्को

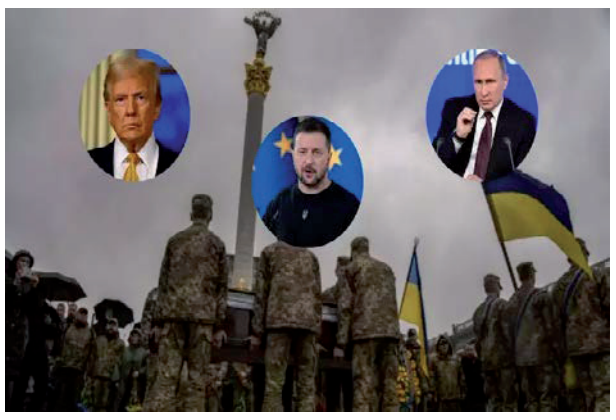

डोनाल्ड ट्रम्प के दूत ने सुझाव दिया है कि यूक्रेन को शांति योजना के हिस्से के रूप में "द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बर्लिन की तरह" विभाजित किया जा सकता है। जनरल कीथ केलॉग ने प्रस्ताव दिया कि ब्रिटेन और फ्रांस पश्चिमी यूक्रेन में नियंत्रण क्षेत्रों का नेतृत्व कर सकते हैं, जो रूसी आक्रामकता को रोकने के लिए "उत्प्रेरक" के रूप में कार्य कर रहे हैं। इसका मतलब होगा कि यूक्रेन की पूर्वी भूमि का 20 प्रतिशत हिस्सा, जिस पर रूस ने पहले ही कब्जा कर लिया है, पुतिन के नियंत्रण में रहेगा। दोनों पक्षों के बीच यूक्रेनी सेनाएं होंगी, जो लगभग 18 मील चौड़े डिमिलिटराइज्ड जोन (DMZ) के पीछे काम करेंगी। 80 वर्षीय केलॉग ने कहा कि नीपर के पश्चिम में एंग्लो-फ्रेंच नेतृत्व वाली सेना व्लादिमीर पुतिन के शासन के लिए "बिल्कुल भी उत्तेजक नहीं होगी।" उन्होंने कहा कि यूक्रेन इतना बड़ा है कि वह युद्ध विराम लागू करने के लिए कई सेनाओं को समायोजित कर सकता है। केलॉग ने अपने विचार को स्पष्ट कियाः "आप इसे लगभग वैसा ही बना सकते हैं जैसा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बर्लिन के साथ हुआ था, जब आपके पास एक रूसी क्षेत्र, एक फ्रांसीसी क्षेत्र और एक ब्रिटिश क्षेत्र, एक अमेरिकी क्षेत्र था। उन्होंने कहा कि यूके-फ्रांस की सेनाएं "(डीनिप्रो नदी) के पश्चिम में होंगी, जो एक बड़ी बाधा है।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका इन क्षेत्रों में जमीन पर कोई सैनिक तैनात नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 18 मील चौड़ा डीमिलिटराइज्ड जोन, जिसे वर्तमान सीमा रेखाओं के साथ लागू किया जाएगा, की निगरानी "बहुत आसानी से" की जा सकती है। पिछले महीने, पुतिन के खास रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि क्रेमलिन किसी भी परिस्थिति में किसी भी नाटो राष्ट्र से शांति सेना को स्वीकार नहीं करेगा।" इस प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन में शांति सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से जोड़कर देखा जा रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि युद्ध विराम पर पहुंचने के बाद डीनिप्रो नदी एक सीमांकन रेखा बन सकती है। केलॉग ने यह सुझाव नहीं दिया कि पश्चिमी सेनाओं को नदी के पूर्व में पुतिन को कोई और क्षेत्र सौंप देना चाहिए। हालांकि, बाद में उन्होंने एक्स पर अपनी टिप्पणी के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि आश्वासन देने वाली सेनाएं अब भी यूक्रेन की संप्रभुता के समर्थन में रहेंगी और उनकी योजना "यूक्रेन के विभाजन का संदर्भ नहीं दे रही थी।"

इजरायल ने गाजा पट्टी को दो हिस्सों में बांटा, घास खा रहे भूख से बिलबिलाते बच्चे... नेतन्याहू को रोकेगा कोई मुस्लिम देश

एजेंसी गाजा पट्टी

इजरायल ने भयानक कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी को दो हिस्सों में बांट दिया है। ynetnews न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से को पूरी तरह से अलग कर दिया गया है। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा है कि हवाई सुरक्षा बलों ने शनिवार को दक्षिणी गाजा में इजराइली सीमावर्ती समुदायों को निशाना बनाकर दागे गए तीन रॉकेटों को हवा में ही मार गिराया है और हमले में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। जबकि इससे पहले इजरायली डिफेंस फोर्स ने कहा था कि उसके बलों ने गाजा में मोराग कॉरिडोर पर तैनाती पूरी कर ली है और दक्षिणी गाजा को बाकी गाजा पट्टी से काट दिया गया है। लेकिन गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष ने मानवीय त्रासदी को गंभीर रूप से बढ़ा दिया है। मोराग कॉरिडोर पर नियंत्रण स्थापित करने और दक्षिणी गाजा को बाकी क्षेत्र से अलग करने के बाद इजरायली सेना ने राफा शहर को घेर लिया गया है। इस सैन्य कार्रवाई के दौरान दर्जनों आतंकवादियों को मारने और भूमिगत सुरंगों और आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने का दावा किया गया है। इस बीच गाजा को कंट्रोल करने वाले हमास के एक वरिष्ठ सदस्य ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया है कि उसका एक प्रतिनिधिमंडल संभावित युद्धविराम समझौते पर मिस्र के मध्यस्थों के साथ बातचीत के लिए शनिवार को काहिरा जाएगा। उन्होंने कहा कि "हमें उम्मीद है कि बैठक में युद्ध को समाप्त करने, आक्रामकता को रोकने और गाजा से कब्जे वाली सेनाओं की पूरी तरह वापसी सुनिश्चित करने के लिए एक समझौते पर पहुंचने की दिशा में वास्तविक बात हो सकेगी।" संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद गाजा में हुआ यह सबसे बड़ा विध्वंस है। गाजा की 23 लाख आबादी में से लगभग 5% लोग मारे गए हैं, और 80,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इस संघर्ष ने गाजा की अर्थव्यवस्था को भी बर्बाद कर दिया है और गाजा के 18 लाख से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। गाजा में खाद्य आपूर्ति की स्थिति भी अत्यंत गंभीर है। इजरायली घेराबंदी की वजह से गाजा पट्टी में खाने पीने का सामान नहीं जा पा रहा है, जिससे लोगों को पेड़ों की पत्तियां और घास खाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। भूख से मरने के कगार पर पहुंच गये बच्चे घास खाकर पेट भरने की कोशिश कर रहे हैं। इन सबके बीच इजरायली अधिकारियों ने कहा कि गेंद हमास के पाले में है। अधिकारियों ने कहा है कि "जहां तक इजरायल का सवाल है, मिस्र का प्रस्ताव जिसमें आठ जीवित बंधकों की रिहाई शामिल थी, अमेरिका के दूत विटकॉफ योजना के साथ-साथ चर्चा में था।" रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को मिस्र के युद्धविराम प्रस्ताव पर विचार करने के लिए विचार-विमर्श किया है। मिस्र के प्रस्ताव मं युद्ध को खत्म करने के लिए कदम उठाना शामिल है, जिसका इजरायल विरोध करता है। लेकिन गाजा में जारी यह संघर्ष न सिर्फ क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डाल रहा है, बल्कि वैश्विक मानवाधिकार के लिए भी एक गंभीर चुनौती पेश कर रहा है। भूख से बिलबिलाते घास खाते बच्चों की दर्दनाक दास्तां ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है।

रूस ने तालिबान को दिखाई सैन्य ताकत, अफगान सीमा पर उतारे हथियारों से लैस कमांडो, इस देश ने दिया साथ

एजेंसी मॉस्को

रूस ने अफगानिस्तान की सीमा पर शक्ति प्रदर्शन किया है। यह शक्ति प्रदर्शन रूस-ताजिकिस्तान संयुक्त युद्धाभ्यास का हिस्सा था। इस दौरान दोनों देशों की स्पेशल फोर्सेज ने अफगानिस्तान की सीमा के नजदीक संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभ्यास को अंजाम दिया। इनमें चरमपंथी समूहों का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस युद्धाभ्यास की जानकारी रूसी रक्षा मंत्रालय ने दी है। ताजिकिस्तान पूर्व सोवियत देश है, जिसका रूस के साथ घनिष्ठ रक्षा संबंध हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार,7 अप्रैल को शुरू हुआ यह अभ्यास ताजिकिस्तान के एक प्रशिक्षण मैदान में हुआ और इसमें ओरलान-10 ड्रोन, टैंक, तोपखाने और Mi-24 हेलीकॉप्टर सहित उन्नत सैन्य उपकरण शामिल थे। अभ्यास का उद्देश्य आतंकवादी खतरों को खत्म करने और बीहड़ वातावरण में अभियान चलाने के लिए दोनों देशों के सैनिकों की तत्परता को बढ़ाना था। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अभ्यास में एक नकली दुश्मन की स्थिति की पहचान करना और उसके बाद नकली लक्ष्य को बेअसर करने के लिए तोपखाने के सटीक हमले शामिल थे। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर फिर से नियंत्रण हासिल करने वाले तालिबान के साथ राजनयिक और आर्थिक संबंध बनाए रखने के बावजूद, रूस और ताजिकिस्तान अपनी सीमाओं के पार चरमपंथी समूहों और हथियारों की घुसपैठ सहित संभावित सुरक्षा जोखिमों से सावधान हैं। रूस और ताजिकिस्तान मॉस्को के नेतृत्व वाले एक क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) के सदस्य हैं। इस गठबंधन ने तालिबान से पैदा होने वाली चिंताओं को दूर करने के लिए हाल के वर्षों में ताजिकिस्तान में कई अभ्यास किए हैं, जिसमें सदस्य देशों में उग्रवादी फैलाव के जोखिम का हवाला दिया गया है। मार्च 2025 में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मास्को में ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन से मुलाकात की, जहां उन्होंने मध्य एशियाई देशों की सुरक्षा का समर्थन करने के लिए रूस की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि मास्को अफ़गान क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले खतरों के प्रति उदासीन नहीं रह सकता है, उन्होंने क्षेत्रीय सहयोग के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

भारतीय महाद्वीप के दो हिस्सों में टूटने का खतरा, बार बार आ सकते हैं महाविनाशक भूकंप, नई स्टडी में डराने वाली जानकारियां

एजेंसी लंदन

फर्ज कीजिए, एक विशाल जमीन का टुकड़ा, जो पिछले लाखों सालों से स्थिर है, वो अचानक अंदर से टूटने लगे। ये कोई साइंस फिक्शन कहानी नहीं है, बल्कि भारत के भूगर्भीय भविष्य को लेकर की गई एक गंभीर चेतावनी है। हाल ही में भूवैज्ञानिकों ने संकेत दिए हैं कि भारतीय प्लेट दो हिस्सों में विभाजित हो रही है, जिससे हिमालय क्षेत्र में बड़े भूगर्भीय परिवर्तन हो सकते हैं। हाल ही में की गई स्टडी से पता चला है कि भारतीय प्लेट दो भागों में विभाजित हो रही है, जो इस क्षेत्र के भूवैज्ञानिक स्थिति को हमेशा के लिए एक नया आकार दे सकती है। अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन में प्रकाशित एक लेख में इस अभूतपूर्व खोज को लेकर जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि इस भूभाग में प्लेट अलग हो रही है और पृथ्वी के मेंटल में डूब रही है। इस स्टडी रिपोर्ट में भारतीय महाद्वीप में आने वाले भूकंप और खतरों को लेकर कई अहम जानकारियां दी गई हैं। इस स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय प्लेट, जो लगभग 60 मिलियन वर्षों से यूरेशियन प्लेट से टकरा रही है, वो अब एक नई प्रक्रिया से गुजर रही है, जिसे "डेलैमिनेशन" कहा जाता है। इस प्रक्रिया में प्लेट का घना निचला हिस्सा पृथ्वी के मेंटल में समा रहा है, जिससे प्लेट के भीतर एक लंबवत दरार उत्पन्न हो रही है। तिब्बती झरनों में भूकंप की तरंगों और हीलियम समस्थानिकों का विश्लेषण करने के बाद इस घटना के बारे में पता चला है, जिससे प्लेट में एक ऊर्ध्वाधर दरार का पता चला, जिसके बारे में वैज्ञानिकों को पहले जानकारी नहीं मिल पाई थी। आपको बता दें कि डेलैमिनेशन एक भूगर्भीय प्रक्रिया है जिसमें टेक्टोनिक प्लेट का निचला हिस्सा अलग होकर मेंटल में समा जाता है। यह प्रक्रिया प्लेट की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है और क्षेत्र में भूकंप की संभावना बढ़ा सकती है। यूट्रेक्ट यूनिवर्सिटी के भूगर्भशास्त्री डौवे वैन हिंसबर्गेन ने कहा है कि "हमें नहीं पता था कि महाद्वीप इस तरह से व्यवहार कर सकते हैं, और यह ठोस पृथ्वी विज्ञान के लिए बहुत ही मौलिक है।" उन्होंने कहा कि "यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बताती है कि न सिर्फ प्लेट की सतह पर अलग-अलग मोटाई और विशेषताएं हैं, बल्कि टेक्टोनिक शिफ्ट को ऑपरेट करने वाली अंदरूनी प्रक्रियाएँ पहले से समझी गई तुलना में कहीं ज्यादा जल्दी से बदल रही हैं और इसे समझना काफी ज्यादा मुश्किल है।" स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के भूभौतिकीविद् साइमन क्लेम्परर ने कहा कि "हिमालय टकराव क्षेत्र जैसे हाई कंप्रेशन वाले क्षेत्रों में टेक्टोनिक प्लेटें अक्सर कई दरारें दिखाती हैं। ये दरारें पृथ्वी की पपड़ी में तनाव निर्माण को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे भूकंप का जोखिम बढ़ जाता है।" आपको बता दें कि हिमालय क्षेत्र पहले से ही भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। डेलैमिनेशन की प्रक्रिया इस क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा सकती है, जिससे ज्यादा तीव्र और बार-बार भूकंप आ सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्रिया तिब्बती पठार में गहराई से दरारें उत्पन्न कर सकती है। हालांकि यह खोज काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अभी सिर्फ एक प्रारंभिक संकेत है। अभी और शोध की आवश्यकता है ताकि इस प्रक्रिया के लंबे समय तक पड़ने वाले प्रभावों को पूरी तरह समझा जा सके। भूगर्भीय परिवर्तन धीरे-धीरे होते हैं, और उनके प्रभावों को समझने के लिए समय और डेटा दोनों की जरूरत होती है।

एमएस धोनी ने बदली CSK की किस्मत, लगातार 5 हार के बाद नसीब हुई पहली जीत, रोमांचक मुकाबले में LSG को 5 विकेट से हराया

चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL 2025 में लगातार पांच हार झेलने के बाद आखिरकार जीत दर्ज कर ली है. चेन्नई ने LSG को 5 विकेट से हरा दिया है.

नई दिल्ली, एजेंसी | चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हरा दिया है. चेन्नई को आईपीएल 2025 में लगातार पांच हार झेलने के बाद पहली जीत नसीब हुई है. इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले खेलते हुए 166 रन बनाए थे, जवाब में CSK की टीम ने आखिरी ओवर तक चले इस मैच में 5 विकेट से अपनी जीत सुनिश्चित की. एमएस धोनी (MS Dhoni) ने समा बांधते हुए 11 गेंद में 26 रनों की तूफानी पारी खेल CSK की जीत में बड़ा योगदान दिया.

इस तरह CSK ने हासिल किया लक्ष्य

167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स को बढ़िया शुरुआत मिली. डेब्यूटेंट शेख रशीद ने रचिन रवींद्र के साथ मिलकर 5 ओवर खत्म होने से पहले ही CSK का स्कोर 50 के पार पहुंचा दिया था. रशीद अपने डेब्यू मैच में 19 गेंद में 27 रन बनाकर आउट हो गए. रचिन रवींद्र भी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए और 37 रन बनाकर पार्ट-टाइम गेंदबाज एडन मारक्रम की बॉल पर अपना विकेट गंवा बैठे.

राहुल त्रिपाठी की खराब फॉर्म जारी है, जो केवल 9 रन बनाकर आउट हो गए. उनके कुछ देर बाद ही रवींद्र जडेजा भी 7 रन बनाकर चलते बने. एक समय चेन्नई ने बिना विकेट गंवाए 52 रन बना लिए थे, लेकिन अगले 44 रन के भीतर CSK टीम ने 4 अहम विकेट गंवा दिए थे. विजय शंकर भी लगातार फ्लॉप हो रहे हैं, उनके आउट होने से चेन्नई ने 111 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे. इस समय चेन्नई को जीत के लिए 30 गेंद में 56 रनों की जरूरत थी.

एमएस धोनी और शिवम दुबे का कमाल

आखिरी 5 ओवरों में एमएस धोनी और शिवम दुबे ने सधे हुए अंदाज में बैटिंग की और LSG के गेंदबाजों पर दबाव बनाया. धोनी और दुबे के बीच नाबाद 57 रनों की साझेदारी हुई, जिसने लगातार पांच हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को जीत दिलाई है. यह IPL 2025 में CSK की 7 मैचों में सिर्फ दूसरी जीत है. धोनी ने 11 गेंद में 26 रन बनाए, वहीं शिवम दुबे ने 37 गेंद में नाबाद 43 रनों की पारी खेली.

पंजाब किंग्स के सामने अब केकेआर की कड़ी चुनौती

मुल्लांपुर, एजेंसी | पिछले मैच में अभिषेक शर्मा की विस्फोटक पारी के कारण अपने बड़े स्कोर का बचाव करने में नाकाम रही पंजाब किंग्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के रूप में एक और चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी का सामना करना होगा।

ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि 245 रन का बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद किसी टीम को हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में अभिषेक की 55 गेंद पर खेली गई 141 रन की विस्फोटक पारी के कारण पंजाब किंग्स अपने इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था।

पंजाब किंग्स की पारी में 36 गेंद पर 82 रन बनाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर के पास अभिषेक के सामने अपने गेंदबाजों की दुर्दशा को देखकर मुस्कुराने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। यह मैच हैदराबाद में खेला गया था जहां कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं माना जाता है।

पंजाब अब अपना अगला मैच मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर खेलेगा जहां के विकेट को बल्लेबाजी के लिए अनुकूल माना जाता है। यहां अभी तक दो मैच खेले गए हैं जिनमें पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन का स्कोर बनाया था। ऐसे में पंजाब के टीम प्रबंधन को अब फैसला करना होगा कि वह किस तरह की परिस्थितियों में खेलना चाहते हैं।

पंजाब किंग्स के गेंदबाजों का आत्मविश्वास निश्चित तौर पर डिग गया होगा। विशेष कर उसके दो स्पिनरों युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल का मनोबल जरूर प्रभावित हुआ होगा क्योंकि इन दोनों ने पिछले मैच में सात ओवर में 96 रन लुटा दिए थे।

इसे देखते हुए पंजाब की टीम पिच को लेकर निश्चित तौर पर असमंजस की स्थिति में होगी। पंजाब अगर इस मैच के लिए सपाट विकेट तैयार करवाता है तो फिर इसकी कोई गारंटी नहीं कि उसके गेंदबाज 220 रन तक के स्कोर का बचाव कर लेंगे क्योंकि कोलकाता की टीम में सुनील नारायण, रिंकू सिंह और वेंकटेश अय्यर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।

एक ऐसा आंकड़ा जिस पर पंजाब के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग गौर नहीं करना चाहेंगे, वह है उनकी गेंदबाजी इकाई का इकॉनमी रेट। उसका कोई भी गेंदबाज नौ रन प्रति ओवर से नीचे नहीं गया। आमतौर पर भरोसेमंद चहल ने पांच मैचों में प्रति ओवर 11.13 रन दिए हैं और केवल दो विकेट लिए हैं।

पंजाब अगर धीमा विकेट तैयार करवाता है तो उसका यह दांव भी उल्टा पड़ सकता है क्योंकि नाइट राइडर्स के पास वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण जैसे स्पिनर है जो अनुकूल परिस्थितियों का फायदा उठाने में माहिर हैं।

नाइट राइडर्स एक ऐसी टीम है जो सपाट और धीमे विकेट दोनों पर अपना कमाल दिखा सकती है। उसने चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घरेलू मैदान पर पटखनी दी थी जिससे निश्चित तौर पर टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी काफी हद तक कप्तान अय्यर (250 रन) पर निर्भर है, जिन्होंने अब तक पांच मैचों में तीन अर्द्धशतक लगाए हैं।

प्रियांश आर्य (194 रन) इस सत्र की खोज रहे हैं। नेहल वढेरा (141 रन), प्रभसिमरन सिंह (133 रन) और फिनिशर शशांक सिंह (108 रन) भी टीम का मजबूत पक्ष हैं।

लेकिन पंजाब की कमजोर कड़ी उसके भारतीय खिलाड़ी नहीं बल्कि दो ऑस्ट्रेलियाई ग्लेन मैक्सवेल (34 रन) और मार्कस स्टोइनिस (59 रन) हैं, जिन्होंने अब तक बल्ले से खास योगदान नहीं दिया है।

टीम इस प्रकार हैं: पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई।

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नॉकिया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकारिया। मैच शाम 7:30 पर शुरू होगा।

रोबॉट वाला कुत्ता करेगा IPL में नौकरी!

दो टांगों पर खड़ा होकर करता है इंसानों जैसा बर्ताव; मजेदार फीचरों से लैस

नई दिजल्ली, एजेंसी | इंडियन प्रीमियर लीग लगातार टेक्नोलॉजी में उन्नति कर रही है. अब आईपीएल की ब्रॉडकास्ट टीम में एक रोबॉटिक डॉग को शामिल किया गया है.

इंडियन प्रीमियर लीग लगातार टेक्नोलॉजी में उन्नति कर रही है. अब IPL की ब्रॉडकास्ट टीम में एक नया सदस्य जुड़ गया है. आईपीएल के सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से यह जानकारी दी गई है कि अब एक रोबॉटिक कुत्ता भी ब्रॉडकास्ट टीम का हिस्सा होगा. सामने आए वीडियो में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और अब अपनी कमेंट्री के लिए मशहूर डैनी मॉरिसन ने पुष्टि करके बताया कि यह रोबॉटिक डॉग अब आईपीएल की ब्रॉडकास्ट टीम के लिए मैच को रिकॉर्ड करेगा.

यह रोबॉटिक डॉग कई स्पेशल फीचरों से लैस है और ब्रॉडकास्टिंग के लिए कैमरा फिट किए गए हैं. इस रोबॉट को डैनी मॉरिसन की बात मानते हुए भी देखा गया. इस डॉग को खिलाड़ियों से हाथ मिलाते देखा गया और यहां तक कि दो टांगों पर खड़े होकर उसने रीस टॉप्ली को चौंका दिया. उसे अंपायर के अंदाज में टीवी रिव्यू जैसा इशारा करते देखा गया और हार्दिक पांड्या भी उसके साथ मस्ती करते दिखे.

दिल्ली-मुंबई के खिलाड़ी हैरान

IPL 2025 में दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस मैच से पूर्व दोनों टीम अभ्यास करती नजर आईं. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को अचंभा हुआ और पूछ डाला, 'क्या है ये?' दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के गेंदबाज रीस टॉप्ली ने भी हैरान होते हुए पूछा, 'यह किस किस्म का कुत्ता है.' वहीं जब उस रोबॉट ने हार्दिक पांड्या की बात मानी तो MI के कप्तान ने उसे 'गुड बॉय' कहकर पुकारा.

IPL में क्यों आया रोबॉट वाला कुत्ता?

यह रोबॉटिक डॉग अब IPL के मैचों के लाइव एक्शन को अलग-अलग एंगल से रिकॉर्ड करेगा. इस नई पहल का उद्देश्य यह है कि दर्शक एक नए एंगल से मैच का लुत्फ उठा सकें.

इस सोशल मीडिया पोस्ट में फैंस से आग्रह किया गया है कि वो इस रोबॉटिक डॉग के लिए बेहतर से बेहतर नामों का सुझाव दें

एमबाप्पे को 2019 के बाद मिला पहला रेड कार्ड, पर रियाल मैड्रिड जीता

नई दिल्ली, एजेंसी | स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को 2019 के बाद पहली बार रेड कार्ड का सामना करना पड़ा लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम रियाल मैड्रिड स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अलावेस पर 1-0 से जीत हासिल करने में सफल रही।

एमबाप्पे को अलावेस के मिडफील्डर एंटोनियो ब्लैंको को गलत ढंग से टैकल करने के कारण मध्यांतर से ठीक पहले बाहर भेज दिया गया।

फ्रांस के स्टार को शुरुआत में पीला कार्ड दिखाया गया था लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने इसे रेड कार्ड में बदल दिया।

यह 2019 के बाद पहला अवसर है जबकि एमबाप्पे को किसी भी प्रतियोगिता में रेड कार्ड मिला। इस कारण वह कम से कम अगले रविवार को एथलेटिक बिलबाओ में होने वाले स्पेनिश लीग मैच में नहीं खेल पाएंगे।

व्यापार

गर्मी बढ़ने के साथ एसी, कूलर और रेफ्रिजरेटर की मांग बढ़ी, ब्याज दरों में कटौती का फायदा

मुंबई, एजेंसी | गर्मी शुरू होने के साथ एयर कंडीशनर (एसी), कूलर और फ्रिज की बिक्री में उछाल आया है। रिटेल विक्रेता और निर्माताओं को इस गर्मी में कूलिंग कैटेगरी में अच्छी बिक्री की उम्मीद है। एसी, फ्रिज और कूलर बनाने वाली कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनियों का कहना है कि इस साल गर्मियों का सीजन अधिक गर्म है। पिछले साल भी अधिक गर्मी पड़ने के कारण बिक्री में वृद्धि देखी गई थी और इस साल भी ऐसा ही होने की उम्मीद है।

गर्मी शुरू होने के साथ ही एसी, फ्रिज और कूलर बनाने वाली कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनियों की बिक्री में इजाफा दिख रहा है। पिछले साल भी अधिक गर्मी पड़ने के कारण बिक्री में वृद्धि देखी गई थी और इस साल भी ऐसा ही होने की उम्मीद है। उद्योग को इस साल एसी में 30 से 35 प्रतिशत, कूलर में 10 प्रतिशत और रेफ्रिजरेटर में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। वहीं, हाल ही में रिजर्व बैंक की ओर से ब्याज दरों में हुई दूसरी कटौती की वजह से बिक्री बढ़ेगी।

तापमान अधिक होने से फ्रिज-एसी की मांग बढ़ी - गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के बिजनेस हेड और ईवीपी कमल नंदी ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि पिछले साल की तरह इस साल भी गर्मियां अधिक गर्म होने वाली हैं। जिसकी वजह से एसी और रेफ्रिजरेटर्स की मांग में वृद्धि देखी जा रही है। गर्मियों में कूलिंग एप्लाइंसेज, विशेषकर एसी की मांग उच्च वर्ग तक सीमित न रहकर सभी वर्ग में बढ़ रही है। वर्तमान में उद्योग एसी में 30 से 35 प्रतिशत और रेफ्रिजरेटर में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि देख रहा है। हमने आगामी गर्मियों के मौसम में एसी की बिक्री में 50 से 70 प्रतिशत वॉल्यू ग्रोथ और रेफ्रिजरेटर में 25 से 30 प्रतिशत तक वॉल्यू ग्रोथ का लक्ष्य रखा है। हायर अप्लाइंसेज इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने बताया कि पिछले कुछ सालों में खासकर गर्मियों में तापमान अपने चरम पर चल रहा है, ऐसे में कूलिंग प्रोडक्टस की मांग लगातार बढ़ी है। लेकिन उपभोक्ता अब कुशल, स्मार्ट, सुविधाजनक और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की भी मांग कर रहे हैं।

कच्चे माल की लागत बढ़ने से इनपुट लागत में इजाफा - नंदी बताते हैं कि पिछले साल के मुकाबले डॉलर के मुकाबले रुपये में 6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। कच्चे माल में जो आयात किया जा रहा है।

अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर में चमकेगा भारत! दुनिया का हर 5वां iPhone भारत में बना

नई दिल्ली, एजेंसी | Apple अब भारत में अपने सभी मॉडल्स, यहां तक कि प्रीमियम टाइटेनियम Pro मॉडल्स भी असेंबल कर रहा है. Bloomberg की रिपोर्ट के अनुसार, Apple ने भारत में 2024 में 8 अरब डॉलर की बिक्री की है.

Apple ने भारत में पिछले एक साल (मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच) में रिकॉर्ड तोड़ iPhones बनाए हैं. Bloomberg की रिपोर्ट के अनुसार, Apple ने भारत में 22 अरब डॉलर (करीब 1.83 लाख करोड़ रुपये) के iPhones का प्रोडक्शन किया है. ये पिछले साल के मुकाबले 60 फीसदी ज्यादा है. इसका मतलब ये है कि दुनियाभर में बिकने वाले हर पांच में से एक iPhone अब भारत में बना है. कुछ साल पहले तक ये आंकड़ा लगभग शून्य था.

iPhone की फैक्ट्रियां कहां हैं? - iPhone का निर्माण मुख्य रूप से तमिलनाडु और कर्नाटक की फैक्ट्रियों में हो रहा है. इन फैक्ट्रियों को Foxconn, Tata Electronics और Pegatron चला रहे हैं. भारत से iPhone का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है. IT मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, भारत ने पिछले साल 17.4 अरब डॉलर के iPhones एक्सपोर्ट किए.

चीन से हटकर भारत की तरफ क्यों आया Apple? - Apple ने यह कदम चीन पर निर्भरता कम करने के लिए उठाया है. कोविड लॉकडाउन, चीन-अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव और अमेरिकी टैरिफ ने Apple को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया.

जब अमेरिका ने चीन से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर भारी टैरिफ लगाया (iPhone पर 145 फीसदी तक), तब Apple ने भारत से सीधे अमेरिका iPhones भेजने शुरू कर दिए.

भारत अब एक मैन्युफैक्चरिंग हब है - Apple अब भारत में अपने सभी मॉडल्स, यहां तक कि प्रीमियम टाइटेनियम Pro मॉडल्स भी असेंबल कर रहा है. Bloomberg की रिपोर्ट के अनुसार, Apple ने भारत में 2024 में 8 अरब डॉलर की बिक्री की है, जबकि इसका मार्केट शेयर सिर्फ 8 फीसदी है. यानि भले ही Apple की बिक्री हिस्सेदारी कम हो,

डॉलर-यूरो सब फेल...इस मुस्लिम देश की करेंसी के सामने किसी की नहीं चलती

संयुक्त राष्ट्र सिर्फ 180 करेंसीज को आधिकारिक मान्यता देता है. हर देश की करेंसी की अपनी एक वैल्यू होती है, लेकिन सबसे ताकतवर करेंसी वह मानी जाती है जिसकी खरीदने की ताकत सबसे ज़्यादा होती है.

नई दिल्ली, एजेंसी | जब भी हम किसी पावरफुल करेंसी की बात करते हैं तो हमारे दिमाग में सबसे पहले अमेरिकी डॉलर और यूरो आता है. हालांकि, असलियत में ऐसा नहीं है. दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जिनकी करेंसी डॉलर या यूरो के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत है. चलिए, आज आपको उन देशों की करेंसी के बारे में बताते हैं, जो दुनिया में इस वक्त सबसे पावरफुल मानी जाती हैं.

180 करेंसीज को आधिकारिक मान्यता

दुनियाभर में करीब 195 देश हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सिर्फ 180 करेंसीज को आधिकारिक मान्यता देता है. हर देश की करेंसी की अपनी एक वैल्यू होती है, लेकिन सबसे ताकतवर करेंसी वह मानी जाती है जिसकी खरीदने की ताकत सबसे ज्यादा होती है. यानि उस करेंसी से किसी देश में कितनी चीजें खरीदी जा सकती हैं और एक यूनिट करेंसी के बदले में कितनी विदेशी करेंसी मिलती है, यही तय करता है कि उस देश की करेंसी कितनी पावरफुल है.

कैसे तय होती है करेंसी की ताकत?

किसी करेंसी की ताकत कई चीजों पर निर्भर करती है. जैसे कि उस देश की आर्थिक स्थिति, महंगाई की दर, एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट का बैलेंस, प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता, सरकार और सेंट्रल बैंक की नीतियां और अंतरराष्ट्रीय मांग. करेंसी की कीमत को डॉलर या भारतीय रुपये के मुकाबले तौला जाता है, ताकि उसकी असल ताकत का अंदाजा लगाया जा सके.

दुनिया की सबसे मजबूत करेंसी

इस लिस्ट में टॉप पर है कुवैती दिनार (KWD), जिसकी वैल्यू भारतीय रुपये में 280.95 रुपये और अमेरिकी डॉलर में 3.26 यूएस डॉलर है. कुवैत की अर्थव्यवस्था तेल के विशाल भंडार पर टिकी है और देश में टैक्स नहीं होने की वजह से करेंसी की मांग काफी ज्यादा रहती है. यही वजह है कि KWD दुनिया की सबसे महंगी और मजबूत करेंसी मानी जाती है.

ये हैं दुनिया की टॉप 10 करेंसी

Kuwaiti Dinar (KWD) - 280.95 रुपये
Bahraini Dinar (BHD) - 228.38 रुपये
Omani Rial (OMR) - 223.60 रुपये
Jordanian Dinar (JOD) - 121.41 रुपये
British Pound (GBP) - 113.36 रुपये
Gibraltar Pound (GIP) - 113.22 रुपये
Swiss Franc (CHF) - 105.08 रुपये
Cayman Island Dollar (KYD) - 103.28 रुपये
Euro (EUR) - 97.93 रुपये
United States Dollar (USD) - 86.10 रुपये

अडानी और अंबानी को 2.6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान, इन भारीतय कारोबारियों को भी चुकानी पड़ी ट्रंप के टैरिफ की भारी कीमत

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के चलते ग्लोबल मार्केट में उथल-पुथल मची हुई है. इसका खामियाजा भारत सहित दुनियाभर के तमाम कारोबारियों को भुगतना पड़ा है.

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का असर कुछ ऐसा है कि इससे दुनिया के तमाम अरबपतियों की संपत्ति में भारी गिरावट आई है. इनमें भारत के बिजनेस टायकून मुकेश अंबानी और गौतम अडानी भी शामिल हैं. इन दोनों कारोबारी दिग्गजों के नेटवर्थ में साल 2025 में अब तक 30.5 बिलियन डॉलर (2.6 लाख करोड़ रुपये) की भारी गिरावट आई है. इनके अलावा, अजीम प्रेमजी, शिव नादर, दिलीव सांघवी जैसे तमाम उद्योगपति भी टैरिफ के असर की चपेट में आए हैं.

मुकेश अंबानी को हुआ इतना नुकसान

सबसे पहले बात करते हैं भारत के सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी की. उनकी संपत्ति में 3.42 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है. इसी के साथ, वह दुनिया के 10 सबसे अमीर आदमियों की लिस्ट से भी बाहर हो गए हैं. इस लिस्ट में अब वह 87.2 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ 17वें नंबर पर हैं. उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर को इस साल क्रमशः 0.10 और 24 परसेंट का नुकसान हुआ है.

गौतम अडानी का भी नेटवर्थ हुआ कम

इसी तरह से गौतम अडानी की संपत्ति भी 6.05 बिलियन डॉलर कम हुआ है. उनकी कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज को इस साल लगभग 9 परसेंट नुकसान झेलनी पड़ी है. जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल को 2.4 बिलियन डॉलर और HCL टेक्नोलॉजीज के मालिक शिव नादर को सबसे ज्यादा 10.5 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है.

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट

इस दरमियान भारतीय शेयर बाजार में भी गिरावट आई है क्योंकि विदेशी निवेशक लगातार भारतीय शेयरों को बेच रहे हैं. विदेशी निवेशकों ने 1 अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच 31,575 करोड़ रुपये भारतीय शेयरों से निकाल लिए हैं. 2025 में अब तक शेयर बाजार से करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये की निकासी हो चुकी है. इस वजह से सेंसेक्स और निफ्टी में 4.5 परसेंट तक की गिरावट आई है. BSE मिडकैप और स्मॉलकैप में 14 और 17 परसेंट की गिरावट आई है.

काजोल ने खुद किया कन्फर्म, न्यासा नहीं बनेगी हीरोइन

बॉलीवुड के पावर कपल कहे जाने वाले काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी किसी फैशन इवेंट में शिरकत करती हैं, तो कभी किसी स्टार किड पार्टी में अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं और हर बार एक सवाल फिर से उठता है क्या न्यासा फिल्मों में आने वाली हैं? लेकिन हाल ही में एक इवेंट में जब काजोल से ये सवाल सामने आया, तो उन्होंने बहुत ही साफ और बिना घुमाए जवाब दिया – नहीं। उसने खुद तय कर लिया है कि फिलहाल उसका फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं काजोल हाल ही में एक इवेंट में गेस्ट बनकर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब उनसे बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया, तो काजोल मुस्कुराते हुए बोलीं, बिलकुल नहीं... नो। वो 22 साल की हो गई है, होने वाली है अभी। मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि नहीं आने वाली है अभी। इवेंट में काजोल से पूछा गया कि अगर कोई नया लड़का या लड़की फिल्म लाइन में आना चाहता है, तो वो उसे क्या सलाह देंगी? इस पर काजोल ने कहा, सबसे पहली बात, हर किसी से सलाह मत लो। क्योंकि अगर तुम पूछोगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग खड़े हो जाएंगे और कहेंगे – नाक बदलो, हाथ बदलो, बालों का रंग बदलो, ये करो, वो करो और वैसे ही इंसान कन्फ्यूज हो जाता है।

अगली फिल्म में 'मां' के रोल में नजर आएंगी काजोल

काजोल के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अगली फिल्म का नाम है मां, जो एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है। इस फिल्म को विशाल फुरिया डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक मजबूत मां के रोल में दिखीं, जो किसी भी हद तक जाकर अपनी बेटी की हिफाजत करती है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा। मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द रॉयल्स में बिजनेसवुमन के किरदार में दिखेंगी भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। उन्होंने कहा... मैं द रॉयल्स को लेकर काफी एक्साइडेट हूं। मैं इससे ज्यादा उम्मीद नहीं लगाना चाहती, लेकिन चाहती हूं कि लोग इस सीरीज को कंटेंट के लिए देखें। अब तक रिलीज हुई टीजर और प्रोमो को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। ईशान और मेरी जोड़ी को साथ देखने के लिए लोग एक्साइटेड हैं और बतौर एक्टर मुझे यह देखकर अच्छा लगता है। बता दें कि इस सीरीज में भूमि एक ग्लैमरस और सक्सेसफुल बिजनेसवुमन के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने आगे कहा... मैं इस शो में एक टिपिकल हीरोइन वाला रोल निभा रही हूं। आज मैं जैसी दिखती हूं असल में वैसी ही हूं, लेकिन अगर मुझे किसी बेहतरीन रोल के लिए फिर से ट्रॉसफॉर्मेशन करना पड़ेगा, तो मुझे ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होगी। भूमि को पिछली बार फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी में देखा गया था। भूमि पेडनेकर को पिछली बार फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी में देखा गया था।

विशाल भारद्वाज निर्देशित शाहिद की फिल्म में तब्बू भी हुईं शामिल

शाहिद कपूर को पिछली बार फिल्म देवा में देखा गया था लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह मुंह के बल गिरी। इन दिनों एक्टर एक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसके निर्देशन की कमान विशाल भारद्वाज को सौंपी गई है। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म की स्टार कास्ट में एक्ट्रेस तब्बू भी शामिल हो गई हैं। तब्बू ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह विशाल और शाहिद के साथ नजर आ रही हैं। इसमें कुछ अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा... लख्त-ए-जिगर अब प्रशंसक अनुमान लगा रहे हैं कि विशाल की आगामी फिल्म के लिए तब्बू और शाहिद फिर से साथ आ गए हैं। हालांकि इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस फिल्म में शाहिद की जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। नाना पाटेकर भी फिल्म का हिस्सा हैं। साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। नाना पाटेकर भी फिल्म का हिस्सा हैं।

दर्शकों को प्रमोशन नहीं दमदार कंटेंट चाहिए

अजय देवगन इन दिनों सीक्वल और फ्रेंचाइज फिल्मों पर खासा ध्यान दे रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म रेड 2 है। जिसका ट्रेलर भी जारी किया जा चुका है। फिल्म 1 मई को रिलीज होने वाली है। जय देवगन ने फिल्म रेड 2 के ट्रेलर अ लॉन्च के मौके पर दर्शकों की पसंद और साउथ में फिल्मों के हाल पर कहा...कोविड महामारी के बाद से इंडस्ट्री अभी भी दर्शकों की पसंद और नापसंद को समझने की कोशिश कर रही है कि वे किस तरह की फिल्मों के लिए सिनेमाघरों का रुख करना चाहते हैं। हमें लगता है कि हमें एक अंदाजा मिला है कि उन्हें क्या चाहिए लेकिन यह सच है कि कोविड के दौरान दर्शकों की पसंद विकसित हुई है। हम उस बदलाव के अनुसार खुद को ढाल रहे हैं। वरना, विश्व स्तर पर भी कई फिल्में अपेक्षाकृत कम ही चल रही हैं। चाहे साउथ या हो या फिर हॉलीवुड।

सिनेमाघरों में दर्शकों की कमी की वजह टिकट कीमतें नहीं...

अजय ये भी कहते हैं कि आजकल किरदारों के क्रॉसओवर भी हो रहे हैं। मेरे विचार से विजय सलगांवकर (दृश्यम), अमय पटनायक (रेड) और सिंघम तीन अलग-अलग निर्देशकों की रचनाएं हैं। यदि वे सभी मिलकर कुछ करने का निर्णय लेते हैं कि तीनों किरदार साथ में आएं तो मैं निश्चित रूप से उसका हिस्सा बनूंगा। अजय आगे भी अपनी राय रखते हैं कि इन दिनों सिनेमाघरों में दर्शकों की कमी की असली वजह टिकट की कीमतें नहीं हैं क्योंकि जब दर्शक आ रहे हैं, तो वे उन्हीं सेम टिकट कीमतों पर आ रहे हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह मुख्य कारण है। वह पहले ही तय कर लेते हैं कि उन्हें कौन सी फिल्म देखनी है और कौन सी नहीं। जिस तरह का प्रमोशन हम डिस्कस करते हैं, उससे दर्शक आकर्षित नहीं होते। उन्हें दमदार कंटेंट चाहिए।

इस जिम्मेदारी को लेकर डरे हुए हैं ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन कृष 4 फिल्म से बतौर निर्देशक के रूप में नजर आने वाले हैं। इसकी जिम्मेदारी उन्हें उनके पिता ने सौंपी है। अमेरिका में एक इवेंट के दौरान ऋतिक ने बताया कि उन्हें निर्देशन की यह नई भूमिका निभाने में घबराहट हो रही है। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन इस समय यूएस टूर पर हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आती रहती हैं। इसी दौरान अभिनेता एक अमेरिकन इवेंट में पहुंचे, जहां एक वीडियो में वह यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि उनके इंदर एक फिल्म निर्माता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें लग रहा है कि वह किंडरगार्टन में वापस आ गए हैं, मतलब कि उन्हें लग रहा है कि वह फिर से किसी बिल्कुल नए चीज पर काम करने वाले हैं। ऋतिक रोशन ने आगे बातचीत में कहा कि कृष 4 फिल्म का निर्देशन उनके लिए एक नई चुनौती होगी, जिसमें दुविधा, तलाश और खोज शामिल होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे कई पल आएंगे, जब उन्हें लगेगा कि उनके जीवन का ये सबसे खराब निर्णय है। अभिनेता ने कहा कि जब वह अकेले होंगे, तो वो अपने उन पलों को याद करेंगे जिसमें वो डर जाते थे। साथ ही कहा कि वह अपने दर्शकों के प्यार को याद करेंगे। फिल्म 'कृष 4' का जहां ऋतिक रोशन निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें वह बतौर एक्टर भी नजर आएंगे।

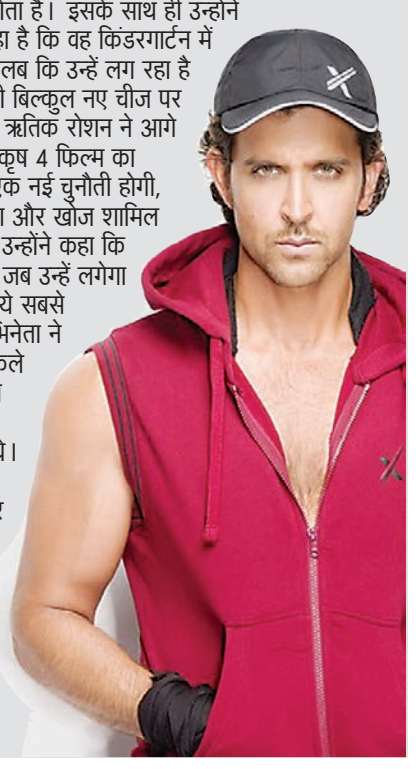

साउथ एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश ने अजित कुमार के लिए शेयर किया भावुक संदेश

गुड बैड अग्ली सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अजित कुमार की इस फिल्म को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इसको लेकर तमाम सितारे अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अब साउथ एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर और गुड बैड अग्ली की अभिनेत्री ने एक भावुक संदेश शेयर किया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने किसकी की तारीफ।

अभिनेत्री ने लिखा भावुक नोट

मलयालम अभिनेत्री प्रिया प्रकाश वारियर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अजित कुमार के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन दिया है। इसमें अभिनेत्री ने लिखा कि वह कहां से शुरू करें, उन्हें समझ नहीं आ रहा है। अजित की प्रशंसा के लिए उनके पास शब्द कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहली बातचीत से लेकर आखिरी दिन की शूटिंग तक उन्होंने सबका ख्याल रखा और किसी को यह महसूस नहीं होने दिया कि वह अलग-थलग है। आगे उन्होंने लिखा कि क्रू सदस्यों के साथ में भोजन करना और मजाक करना ये सारे पल याद रहेंगे। इसके साथ ही अभिनेत्री ने अजित की सादगी और जुनून का तारीफ करते हुए कहा कि उनसे कार, ट्रैवेल और रेसिंग की बात करते समय उनके आंखों में एक अलग चमक दिखती है।

युवाओं को प्रेरणा देते हैं अजित के व्यवहार

पोस्ट के कैप्शन में प्रिया प्रकाश ने आगे लिखा कि काम के प्रति अजित कुमार के समर्पण और धैर्य युवाओं को प्रेरणा देती हैं, जिसे वह संभाल कर रखेंगी। साथ ही अभिनेत्री ने उन्हें एक चमकता हुआ सितारा बताया और कहा कि उनसे यह सीखने वाली बात है कि आप कितने भी ऊंचाईयों पर चले जाएं, लेकिन जमीन से जुड़े रहना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि फिल्म में उनका सबसे खास पल वो रहा, जब वह अजित के साथ डांस कर रही थी। अंत में बात समाप्त करते हुए उन्होंने कहा कि वह उम्मीद करती हैं कि भविष्य में फिर से अजित के साथ काम करेंगी और वह गुड बैड अग्ली फिल्म के अनुभवों को सदा सहेजकर रखेंगी।

एक नजर गुड बैड अग्ली की ओर

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म गुड बैड अग्ली 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इस फिल्म का निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है। फिल्म में एक्शन, डायलॉग्स और स्लो-मोशन शॉट्स की भरमार है। तृषा कृष्णन, अर्जुन दास, सुनील, जैकी श्रॉफ और प्रिया प्रकाश वॉरियर जैसे सितारों से सजी यह फिल्म अजित के ही चारों ओर घूमती है।

शाहरुख खान से मिला जिंदगी के लिए बड़ा सबक

शिल्पा राव का जन्म जमशेदपुर में हुआ, तेलुगू भाषी परिवार में जन्मी शिल्पा को बचपन से ही संगीत की शिक्षा मिली। शिल्पा का जन्म का नाम अपेक्षा राव था, जिसे उन्होंने बदल दिया। शिल्पा नाम उन्हें पसंद आया क्योंकि यह कला से जुड़ाव महसूस करवाता था। जमशेदपुर से निकलकर शिल्पा राव ने बॉलीवुड में बतौर सिंगर एक अलग जगह हासिल की।

शौक बन गया करियर

पिता से संगीत की शिक्षा लेने के बाद शिल्पा राव को गायक हरिहरन से म्यूजिक की ट्रेनिंग मिली। फिल्मफेयर को दिए गए एक इंटरव्यू में शिल्पा राव ने कहा, 'जब मैं हरिहरन जी से संगीत सीख रही थी तो उन्होंने ही सिंगर बनने के लिए मेरे अंदर रुचि पैदा की। इसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।' शिल्पा को संगीत के क्षेत्र में कई लोगों से प्रेरणा मिलती है, जिसमें मेहंदी हसन, पंडित निखिल बनर्जी, उस्ताद सुल्तान खान, बेगम अख्तर और फरीदा खानुम जैसी संगीत की शख्सियत शामिल हैं।

जिंगल्स से की शुरुआत

साल 2001 में शिल्पा राव जमशेदपुर से मुंबई पढ़ाई करने और संगीत में करियर बनाने आ गईं। इसी दौरान एक म्यूजिक टैलेंट हंट शो भी शिल्पा ने जीता। इसके बाद शंकर महादेवन ने उन्हें जिंगल्स में गाने का मौका दिया। तीन साल जिंगल्स गाने के बाद शिल्पा ने फिल्मों में गाना शुरू कर दिया। कॉलेज के दिनों में वह म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन के संपर्क में आईं। मिथुन ने शिल्पा को फिल्म 'अनवर' में एक गाना 'तोसे नैना' गाने का मौका दिया। इसके बाद सिंगर को अमिताभ बच्चन की फिल्म 'एक अजनबी' में गाने का मौका मिला। आगे चलकर कई बड़ी फिल्मों में गाने शिल्पा ने गाए। जिसमें 'देव डी', 'बचना ऐ हसीनों', 'देसी बॉयज', 'लेडीज वर्सेज रिक्की बहल', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'धूम 3', 'मिशन मंगल' और 'पठान' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। जब अमित त्रिवेदी के लिए बनीं मददगार शिल्पा राव जब शुरुआती दौर में करियर बना रही थीं तो उन्होंने अपने दोस्त अमित त्रिवेदी की मदद भी की। फिल्म 'देव डी' में शिल्पा को गाने का मौका मिला तो उन्होंने निर्देशक अनुराग कश्यप और अमित त्रिवेदी को मिलवाया। अनुराग ने अमित को फिल्म का म्यूजिक बनाने का मौका दिया। फिल्म के गानों को, म्यूजिक को खूब सराहा गया। आज भी अमित बतौर सिंगर, म्यूजिक कंपोजर बेहतरीन गाने बना रहे हैं, कमाल का म्यूजिक फिल्मों में दे रहे हैं।

शाहरुख से सीखा जिंदगी का सबक

शिल्पा राव ने शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' में 'बेशर्म रंग' गाना गाया। साल 2023 में इस गाने को खूब पसंद किया गया। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के समय शिल्पा राव शाहरुख खान से मिली थी। वह शाहरुख खान से काफी इंप्रेस हुईं। अमर उजाला को ही दिए गए इंटरव्यू में शिल्पा बताती हैं, 'स्क्रीनिंग के समय फिल्म से जुड़े कई लोग वहां थे। मैंने देखा कि शाहरुख खान जाकर सभी से मिल रहे हैं, बातें कर रहे हैं। शाहरुख के बारे में जो इमेज है कि वह लोगों को अच्छा महसूस कराते हैं। वह एकदम सच है क्योंकि इतना बड़ा स्टार होने के बाबजूद भी उनमें घमंड नहीं है। मैंने उनसे सीखा कि आप चाहे जिस भी जगह पहुंच जाएं लेकिन लोगों के साथ प्यार से पेश आना बेहद जरूरी है।'

सोनाक्षी सिन्हा ने पूरी की पहली तेलुगु फिल्म जटाधारा की शूटिंग

सोनाक्षी सिन्हा तेलुगु फिल्म जटाधारा से साउथ इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं। इस साल महिला दिवस के अवसर पर फिल्म की पहली झलक दिखाई गई थी। अब सोनाक्षी ने अपडेट दिया है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसकी जानकारी सोनाक्षी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा... और एक और फिल्म पूरी हुई, जटाधारा की शूटिंग मैंने पूरी कर ली है। मेरी पहली तेलुगु फिल्म और मेरी टीम ने इस पर कमाल कर दिया, बहुत मजा आया, बहुत धमाल किया। मुझे बेसब्री से इंतजार है कि आप लोग इसे देखें और प्रतिक्रिया दें। जटाधारा एक सुपरनैचुरल फैंटसी थ्रिलर फिल्म है। यह एक्शन और सस्पेंस से भरपूर फिल्म बताई जा रही है। इसमें सुधीर बाबू भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण कर रहे हैं। शिल्पा शिरोडकर भी फिल्म का हिस्सा हैं। बता दें कि जटाधारा के अलावा सोनाक्षी के पास तू है मेरी किरण भी है। इसके अलावा वह निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस में भी नजर आएंगी। जटाधारा एक सुपरनैचुरल फैंटसी थ्रिलर फिल्म है।

स्व. सुरेश दत्त पाण्डेय व स्व. संध्या पांडेय की पुण्य स्मृति में निःशुल्क प्याऊ का हुआ उद्घाटन, मातृशक्तियों ने किया सुंदर कांड का पाठ

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा - 14 अप्रैल! श्री सूर्यमुखी कपि संकट मोचन मंदिर में स्व. सुरेश दत्त पाण्डेय एवं स्व. संध्या पांडेय की पुण्य स्मृति में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आम जनमानस हेतु निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ किया गया! साथ ही मातृशक्तियो के द्वारा सुन्दरकाण्ड का पाठ भी किया गया!

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी की मौसी शांति देवी पांडेय, वार्ड क्रमांक 7 की पार्षद अर्चना पांडेय, वरिष्ठ समाजसेवी एवं मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव एवं वार्ड क्रमांक 7 के निवर्तमान पार्षद एड. शिवदत्त पांडेय के हाथों निःशुल्क प्याऊ का उद्घाटन हुआ!

इस अवसर पर वार्ड 7 की पार्षद अर्चना शिवदत्त पांडेय ने कहा कि - 'भीषण गर्मी में प्यासों को पानी पिलाने से ज्यादा और कोई पुण्य कार्य नही है! शीतल जल गर्मी में अमृत के समान ही है! इसी उद्देश्य के साथ विगत 20 वर्षों से श्री सूर्यमुखी कपि संकट मोचन मंदिर प्रांगण में सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की भावना के तहत निशुल्क प्याऊ का संचालन किया जा रहा है!

वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष श्रीवास्तव ने कहा कि- 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा भी समाज के प्रति दायित्व बनता है कि हम मानवता की सेवा करे, परोपकार करें और पुण्यार्थ के कार्यों में अपना भी अंशदान दे!

इसी उद्देश्य के साथ शिवदत्त पांडेय जी ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जो निःशुल्क प्याऊ का उद्घाटन किया है वो आम जनता को इस भीषण गर्मी में राहत पहुंचाने वाला होगा'

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वार्ड क्र. 19 के पार्षद समीर शुक्ला, वार्ड क्र. 18 के पार्षद अम्बुज रजक, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी मनोज गौतम, आकाशवाणी के उद्घोषक साकेत श्रीवास्तव, राज कुमार होतवानी, सविता गौतम, कुसुम सिंह, माधुरी सिंह, मधु सिंह, रमा दुबे, निशा पांडेय, ज्योत्सना श्रीवास्तव, हिमांशी श्रीवास्तव, अखिलेश पांडेय, पंडित संजय मिश्रा, संविदाकार अमर दत्त पाण्डेय, आचार्य राघवेन्द्र द्विवेदी, एड. सतीश शुक्ला, ऋचा रे, निकिता श्रीवास्तव एवं सिद्धार्थ श्रीवास्तव आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे!

भाजपा की नीतियां ने आमजनों के हितार्थ - योजनाओं से लाभान्वित हो रहे लोग

» ग्राम चौपाल कार्यक्रम कोदसा में बोले प्रखर वक्ता कैलाश सोनी..

» भाजपा नगर मंडल करेली का आयोजन..

• साधना एक्सप्रेस, करेली

करेली..भारत के देशवासियों का दर्द अगर किसी ने पहचाना है तो वह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी व पार्टी की सरकारें है। आज ग्राम को शहर से जोड़ने का कार्य अटलजी ने किया था। लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अनेक योजनाएं है जो हमारी पार्टी की सरकारों द्वारा चलाई जा रही है। उक्त उद्गार प्रखर वक्ता, पूर्व राज्यसभा सदस्य कैलाश सोनी के भाजपा नगर मंडल करेली द्वारा रविवार को आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रम कोदसा में अतिथि बतौर बोले। सर्वप्रथम अतिथियों सहित वरिष्ठ ग्रामवासियों ने महामानव पंडित दीनदयाल उपाध्याय छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। पार्टी दुपट्टा से अभिनंदन मालगुजार पटैल, डालचंद अगासिया, सतीश पटैल सहित ग्राम के भाजपा नेताओं ने किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए मंडल अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी ने कहा कि भाजपा पार्टी गाँव - गाँव पहुँचकर ग्रामवासियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विविध योजनाओं की जानकारी व लोगों को लाभान्वित करा रही हैं। भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी अमित जैन ने बताया कि इस मौके पर ग्राम के वरिष्ठ जनों ने भी अपने - अपने विचार रखे। इस अवसर पर भाजपा मंडल परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता साथी, समस्त पदाधिकारी, मातृशक्ति, सहित सभी ग्रामवासियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सरदार कृपाल सिंह सोहल व आभार पूर्व सरपंच डालचंद अगासिया ने जताया।

प्राध्यापकों के ट्रांसफर से अतिथि विद्वान होंगे फालेन आउट,तनाव में विद्वान

» फालेन आउट शब्द होगा विलोपित शिवराज एवं मोहन कि ये थी घोषणा

• साधना एक्सप्रेस, करेली

भोपाल | सूबे के सरकारी कॉलजों में वर्षों से सेवा कर रहें अतिथि विद्वानों के अतिथि विद्वानी में भी अब खतरा मॉडराने लगा है। अंदर बाहर का खेल अब शुरू होने वाला है। अभी हाल ही में प्राध्यापकों के ट्रांसफर लिस्ट उच्च शिक्षा विभाग ने जारी कि है जिसको लेकर अतिथि विद्वानों को अपनी रोजी रोटी छिनने का डर सता रहा है।अब जैसे ही प्राध्यापक नई पदस्थापना वाली जगहों पर ज्वाइन करेंगे तो तत्काल अतिथि विद्वान बाहर हो जाएंगे।जैसा कि विदित हो कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं वर्तमान मुख्यमंत्री पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव ने महापंचायत में घोषणा कि थी कि अतिथि विद्वान अब फालेन आउट नहीं होंगे उन्होंने जोर देकर कहा था कि अतिथि विद्वान इन ही रहेंगे उनके साथ जुड़ा फालेन आउट शब्द विलोपित किया जाता है लेकिन आज भी घोषणा कि ये भी लाइन पूरी नहीं हुई।

विद्वानों के भविष्य सुरक्षा को लेकर शासन प्रशासन कभी नहीं दिखा गंभीरः-महासंघ

अतिथि विद्वान महासंघ ने विद्वानों के भविष्य सुरक्षा पर चिंता जाहिर कि है।महासंघ के प्रदेश मिडिया प्रभारी डॉ आशीष पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पठन पाठन से लेकर नैक,रूसा,प्रवेश,परीक्षा,प्रबंधन,मूल्यांकन आदि समस्त कार्य अतिथि विद्वान ही सँभालते हैं और ये बात पूरे प्रदेश के बच्चे बच्चे को पता है सरकार भी जानती है पर उन्ही अतिथि विद्वानों का भविष्य सुरक्षित नहीं।डॉ पाण्डेय ने निवेदन करते हुए कहा कि अतिथि विद्वानों के भविष्य सुरक्षा पर सरकार ध्यान दे आज तक इस ओर एक भी कदम नहीं उठाया गया हैं।

और आ सकती है ट्रांसफर लिस्ट,मचेगी हलचल,विद्वान होंगे प्रभावित

आने वाले समय में प्राध्यापकों कि ट्रांसफर लिस्ट और आ सकती है जिससे सीधे सीधे अतिथि विद्वान प्रभावित होंगे।अभी 600 स्थानांतरण पीएमश्री कॉलेज और उत्कृष्टता कॉलेज में हुए थे अभी वही मामला अटका हैं जिसकी सूची क्लियर होनी है।डॉ अविनाश मिश्रा उपाध्यक्ष महासंघ ने बताया कि अतिथि विद्वानों का परिवार छोटे बच्चे सब के एडमिशन हुए हैं जों भी दिहाड़ी मजदूरी मिल रहीं है उससे भी सरकार बेदखल करने का प्रयास करती है।डॉ मिश्रा ने फिक्स मासिक वेतन एवं स्थाई समायोजन कि मांग रखी।

इनका कहना है कि

शासन प्रशासन नैतिकता दिखाते हुए रिक्त पदों में काम कर रहें अतिथि विद्वानों को अपने घोषणा अनुसार स्थाई समायोजित करें साथ ही फिक्स मासिक वेतन दे तो ख़ुद ही सभी समस्या का समाधान हो जाएगा। • डॉ देवराज सिंह,प्रदेश अध्यक्ष महासंघ

नरवाई जलाने पर लगेगा जुर्माना कलेक्टर ने लगाया प्रतिबंध

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | जिले में गेहूं कटाई के बाद खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, जिससे पर्यावरण, पशुधन और खेत की उर्वरता पर गंभीर असर पड़ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है।

कलेक्टर संदीप जी.आर. ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए संपूर्ण जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश के तहत यह स्पष्ट किया गया है कि इस तरह की घटनाएं न सिर्फ किसानों को आर्थिक नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि पर्यावरण, पशुओं और समाज के लिए भी खतरनाक साबित होती हैं।

उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला सागर द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया है कि, वर्तमान में गेहूं की फसल कटाई अधिकांशतः कम्बाईन्ड हार्वेस्टर द्वारा की जाती है। कम्बाईन्ड हार्वेस्टर से कटाई उपरांत फसल की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के द्वारा नरवाई में आग लगाने की घटनाओं की सेटेलाइट मैपिंग की जा रही है। राष्ट्रीय फसल अवशेष प्रबंधन नीति 2014 के अंतर्गत फसल अवशेष प्रबंधन हेतु जिला स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

कटाई उपरांत बचे हुए गेहूं के डंठलों (नरवाई) से भूसा न बनाकर जला देते हैं। फसल अवशेष भूसे का उपयोग पशु आहार के साथ ही अन्य वैकल्पिक रूप में किया जा सकता है। एकत्रित किया गया भूसा अन्य उद्योगों में उपयोग किया जाता है। भूसे एवं पैरा की मांग प्रदेश के अन्य जिलों के साथ अनेक प्रदेशों में भी होती है। एकत्रित भूसा 08-10 रूपये प्रति किलोग्राम की दर पर विक्रय किया जा सकता है। पर्याप्त मात्रा में भूसा / अवशेष उपलब्ध न होने के कारण पशु अन्य हानिकारक पदार्थ जैसे कागज, पालिथीन

आदि खाते हैं, जिससे वे बीमार हो जाते हैं तथा अनेक बार उनकी मृत्यु भी हो जाती है तथा कृषकों को यही भूसा बढ़ी हुई दरों पर क्रय करना पड़ता है। नरवाई एवं अवशेष में आग लगाना कृषि के लिये नुकसानदायक होने के साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी हानिकारक है। इसके कारण विगत वर्षों में गंभीर स्वरूप की अग्नि दुर्घनाएं घटित हुई हैं तथा व्यापक संपति की हानि हुई है। ग्रीष्म ऋतु में बढ़ते जल संकट में इससे बढ़ोत्तरी तो होती ही है, साथ ही कानून व्यवस्था के लिये विपरीत परिस्थितियां निर्मित होती हैं।

नरवाई एवं अवशेष जलाने से प्रथम दृष्टया निम्नलिखित नुकसान होने से जनहित में इस पर रोक लगाई जाना आवश्यक प्रतीत होता हैः-

खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जन, धन, संपति, प्राकृतिक वनस्पति एवं जीव जंतु आदि नष्ट हो जाते हैं, जिससे व्यापक नुकसान होता है।

खेत की मिटटी में प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु इससे नष्ट होते हैं। जिससे खेत की उर्वरा शक्ति धीरे-धीरे घट रही है और उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

खेत में पड़ा कचड़ा भूसा डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाउ बनाते हैं। जिन्हें जलाकर नष्ट करना उर्जा को नष्ट करना है।

आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

उपरोक्त परिस्थितियों में जन सामान्य के हित सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा पर्यावरण की हानि रोकने एवं लोक व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की सीमा में गेहूं एवं अन्य फसलों के डंठलों (नरवाई) में आग लगाये जाने पर प्रतिबंध है।

फसलों की कटाई में उपयोग किये जाने वाले प्रत्येक कम्बाईन्ड हार्वेस्टर के साथ भूसा तैयार करने हेतु स्ट्रा, रीपर अनिवार्य रूप से रखा जाये या कम्बाईन्ड हार्वेस्टर में स्ट्रा मेनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा।

जिले में चलने वाले कम्बाईन्ड हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा रीपर/स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम की सतत निगरानी जिला परिवहन अधिकारी एवं सहायक कृषि अभियांत्रिकी द्वारा की जावेगी। साथ ही बिना स्ट्रा रीपर/स्ट्रा मेनेजमेंट सिस्टम के कम्बाईन्ड हार्वेस्टर चलाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही करेंगे।

पर्यावरण विभाग द्वारा नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को प्रतिबंधित कर दण्ड अधिरोपित करने का प्रावधान किया गया है। नोटिफिकेशन से पर्यावरण सुरक्षा हेतु माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश क्रम में एयर प्रिवेंशन & कंट्रोल ऑफ़ पॉल्युशन एक्ट 1981 के अंतर्गत प्रदेश में फसलों विशेषतः धान एवं गेहूं की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों को खेतों में जलाये जाने हेतु प्रतिबंधित किया गया है, जिसे तत्काल प्रभाव से संपूर्ण मध्यप्रदेश में लागू किये जाने के निर्देश का उल्लंघन किये जाने पर व्यक्त/निकाय को नोटिफिकेशन के प्रावधान अनुसार पर्यावरण क्षति पूर्ति राशि देय होगी।

कृषक जिनके पास 02 एकड़ से कम जमीन है, उन्हें 2500/- रु. प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा।

कृषक जिनके पास 02 एकड़ से अधिक एवं 05 एकड़ से कम जमीन है, उन्हें 5000/- रु. प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा।

कृषक जिनके पास 05 एकड़ से अधिक जमीन है उन्हें 15000/- रु. प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा।

उपरोक्त आदेश में उल्लेखित शर्तों का जिले में परिपालन सुनिश्चित करने हेतु उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला सागर नोडल अधिकारी होंगे। आदेश में उल्लेखित किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति निर्मित होने पर संबंधित कृषि विस्तार अधिकारी क्षेत्र के पटवारी के साथ संयुक्त जांच कर प्रतिवेदन संबंधित तहसीलदार को प्रस्तुत करेंगे, तहसीलदार संबंधित अपचारी कृषकों को युक्तियुक्त अवसर प्रदान कर एवं सुनवाई कर 15 दिवस के अंदर शास्ति अधिरोपित से संबंधित समुचित निर्णय लेंगे।

कलेक्टर की कार्यवाही : अमानक खरपतवार नाशक दवा से किसानों की फसल नष्ट होने पर की गई FIR_

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देश पर रहली के 32 किसानों को अमानक खरपतवार नाशक दवा बेचने एवं दवा से फसल नष्ट होने पर निर्माता कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड विपणनकर्ता सफायर क्रॉप साइंस प्रा.लि. एवं दुकानदार अभय जैन पर FIR की कारवाही की गई ।

रहली अनुविभागीय अधिकारी श्री गोविंद दुबे ने बताया कि मेसर्स श्री आदि एग्रो केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर रहली जिला सागर प्रो अभय जैन एवं निर्माता कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड विपणनकर्ता सफायर क्रॉप साइंस प्रा.लि. द्वारा तहसील रहली के 32 कृषकों को गेहूं में खरपतवार नाशक दवा विक्रय की गयी थी। जिससे उनकी फसल नष्ट हो गयी जिसकी शिकायत प्राप्त होने पर, अनुविभागीय अधिकारी कृषि रहली एवं वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी रहली की टीम गठित कर खरपतवार नाशक दवा की सैंपलिंग करायी गयी एवं सैम्पल को कीटनाशी प्रयोगशाला भेजा गया जहाँ से उक्त खरपतवार नाशी दवा अमानक पाई गयी जो कीटनाशी अधिनियम 1968 की धारा 03 का उलंघन है उक्त से संबंध में कलेक्टर निर्देश के परिपालन में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी रहली द्वारा मेसर्स श्री आदि एग्रो केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर रहली जिला सागर, प्रो अभय जैन एवं निर्माता कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड विपणनकर्ता सफायर क्रॉप साइंस प्रा.लि. रहली, के विरुद्ध थाना प्रभारी रहली के माध्यम से 12 अप्रैल को बीएनएसएस की धारा 173 के तहत प्राथमिकी सूचना (एफ.आइ.आर.) दर्ज करायी गयी है।

बारिश में भीगा खरीदी केंद्रों पर रखा गेहूं, अनाज बचाने नहीं कोई इंतजाम

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर जिले में अनेक स्थानों पर रविवार की शाम अचानक बारिश शुरू हो गई। बारिश का यह दौर कही तेज तो कही बूंदाबांदी के रूप में रहा। जिले के बंडा में तेज धूप के साथ अचानक झमाझम बारिश होने से बंडा मंडी परिसर के खरीदी केंद्र में रखा गेहूं भीग गया। इस गेहूं खरीदी केंद्र पर खुले गेहूं की तुलाई की जा रही थी और अचानक हुई बारिश के पानी से गेहूं भीग गया। खरीदी केंद्र संचालक ने पानी से बचने की कोई व्यवस्था केंद्र पर नहीं की थी।

बंडा की कृषि उपज मंडी परिसर में स्थित गेहूं खरीदी केंद्र बमुराभेड़ा में आसपास के ग्रामों के किसानों का गेहूं खरीदा जा रहा है।

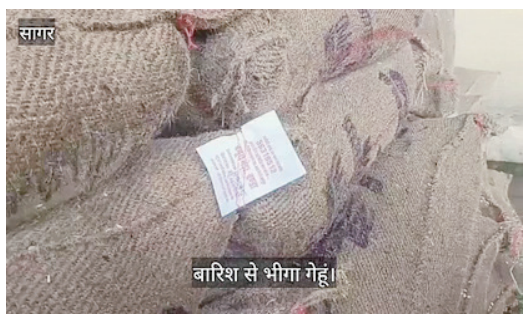

बारिश के बाद यहां का नजारा बदल गया है। बमूराभेडा खरीदीं केंद्र में तुलाई के बाद खुले में रखी बोरियां पानी में तर नजर आ रही थीं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस खरीदी केंद्र पर कई कुंटल भीग गया है। इसमें खरीदीं केंद्रों के संचालकों की लापरवाही सामने आई है।

बंडा एवं आस पास क्षेत्र में खरीदीं केंद्र, बमूराभेडा, भेडाखास,पटौआ, मुड़िया,पजनारी, क्वायला, उल्दन, जगथर, मगरधा, बिनैका, नीमोन, बरा, भडराना, सहावन, सौरईछापरी में खरीदी केंद्र चल रहे हैं। इन केंद्रों पर खुले में तुलाई की जा रही है इन केंद्रों पर अचानक होने वाली बारिश से गेहूं को बचाने के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। इस मामले में मीडिया के द्वारा बंडा एसडीएम रवींश श्रीवास्तव एवं खाद्य विभाग की अधिकारी चारू जैन को बार-बार फोन लगा कर जानकारी लेनी चाही, लेकिन उन्होंने फोन उठाना जरूरी नहीं समझा।

मौसम विभाग की चेतावनी के बाद भी सरकारी सिस्टम की लापरवाही से हजारों कुंतल गेहूं हुआ गीला

• सागर, प्रतिनिधि

केसली --केसली क्षेत्र के मां अन्नपूर्णा वेयर हाउस प्रांगण में इन दिनो मुहली समिति उपार्जन केंद्र क्रमांक 56310491 द्वारा किसानो की गेहूं की खरीदी की जा रही है जहां पर लगभग 67 सौ कुंतल की खरीदी की जा चुकी है जो खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है जब मौसम विभाग की चेतावनी के बाद भी कर्मचारियों द्वारा खुले आसमान के नीचे गेहूं की खरीदी की जा रही थी पर यह ध्यान नहीं रखा गया मौसम खराब है जहां पर पानी की धार निकलने से सैकड़ो कुंतल गेहूं खराब हुआ आखिरकार जो गेहूं खराब हुआ है वह किस आला अधिकारी के मत्थे पड़ेगा या फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ेगा आखिरकार इस में लापरवाही से गेहूं खराब हुआ है उसे पर प्रशासन क्या रुख अपना ये गा जबकि वहां समिति प्रबंधक से बात हुई तो बताया कि यह गेहूं साई खेड़ा वेयरहाउस में जमा होना है और जमा हो जाएगा पर यह गेहूं जमा किया जाएगा तो क्या आगे चलकर यह जो बोरिया पानी में खराब गई है गेहूं खराब नहीं होगा क्या यह तो शासन की आलाधिकारी ही बता सकते हैं

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698